प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

वर्ष-4 | अंक-174 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 19 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवर्टाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

मिलावटखोरों पर 43.51 लाख रुपये का जुर्माना, 141 नमूने फेल

114 प्रकरणों में प्रशासनिक न्यायालय ने किया है जुर्माना

जांच के दौरान 26 नमूने पाए गए शरीर के लिए नुकसानदायक

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई तेज की तो हड़कंप मच गया। इसी साल अप्रैल से 18 अगस्त तक विभाग ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के 370 नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। इनमें दूध, पनीर, पेड़ा, सॉस समेत अन्य खाद्य सामग्री शामिल रही। प्रयोगशाला से

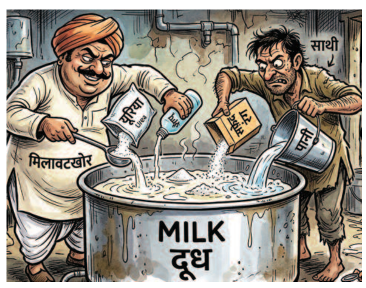

प्राप्त 249 नमूनों की जांच रिपोर्ट में 141 नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें 115 नमूने अद्योमानक और 26 नमूने हानिकारक पाए गए।

विभाग ने करीब पांच महीने के दौरान कार्रवाई करते हुए 168 प्रकरण प्रशासनिक न्यायालय में दाखिल किए, जबकि 114 वादों का न्यायालय ने निस्तारण कर दिया। अद्योमानक खाद्य पदार्थों से जुड़े मामलों में मिलावटखोरों पर कुल 43.51 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा विभाग ने 34 वाद न्यायिक न्यायालय में भी दायर किए हैं। इन मामलों में सुनवाई के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सजा की कार्रवाई होगी।

40 लाख की खाद्य सामग्री कराई गई नष्ट

जांच और कार्रवाई के दौरान विभाग ने बड़ी मात्रा में मिलावटी खाद्य सामग्री नष्ट कराई। अधिकारियों के अनुसार, करीब 5,400 किलो पनीर, 10 हजार लीटर दूध, सात हजार किलो पेड़ा और 900 किलो सॉस नष्ट कराया गया। नष्ट कराई गई खाद्य सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई है। विभाग की कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में खलबली मची रही।

चार प्रकरणों में दर्ज कराई प्राथमिकी

सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार ने बताया कि मिलावट में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है। इनमें मिल्क पाउडर, रानीपॉल, टिनोपॉल और रिफाइंड आदि शामिल हैं। मिलावटखोरों के खिलाफ चार एफआईआर भी संबंधित थानों में दर्ज कराई गई हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और मानकों का उल्लंघन मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हानिकारक प्रकरण में सजा का प्रावधान

प्रयोगशाला में खाद्य नमूनों के जांच में फेल साबित होने के बाद विभाग दो स्तर पर कार्रवाई करता है। स्वास्थ्य के लिए नुकसान दायक नहीं होने वाले प्रकरण एडीएम न्यायालय में दर्ज कराए जाते हैं, जहां से केवल जुर्माना होता है। वहीं, हानिकारण प्रकरण न्यायिक न्यायालयों में दर्ज होते हैं, जहां से मिलावटखोरों को नियमानुसार सजा सुनाई जाती है।

आलू भाव ने किसानों की बढ़ाई चिंता

शीतगृहों में भंडारित आलू के दाम लागत से नीचे, किसान घाटे में बेचने को मजबूर

अब तक हो सकी है केवल 29 प्रतिशत शीतग्रहों से भंडारित आलू की निकासी

यूनिक समय, मथुरा। सब्जियों के राजा आलू की बंपर पैदावार इस बार किसानों के लिए मुसीबत बनती नजर आ रही है। जिले के शीतगृहों में महीनों से भंडारित आलू के भाव में अपेक्षित तेजी नहीं आई है। लागत, भंडारण, ढुलाई और अन्य खर्च जोड़ने के बाद किसानों के सामने आलू को औने–पौने दाम पर बेचने की मजबूरी है। मंडी में जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में आलू के थोक भाव करीब 400 से 700 रुपये प्रति क्विंटल के बीच ही चल रहे हैं। वहीं, जिले के 49 शीतग्रहों में भंडारित आलू में से अब तक केवल 29 प्रतिशत ही निकासी हो सकी है।

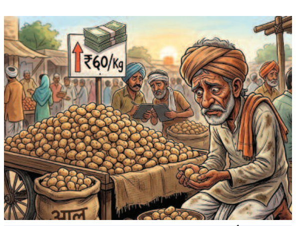

एक नजर आलू के आंकड़ों पर

जिले में बोया गया रकबा
16600 हैक्टेयर
कुल उत्पादित हुआ आलू
594313 मीट्रिक टन
शीतग्रहों में भंडारित आलू
391240 मीट्रिक टन
अब तक शीतग्रह से निकासी
115415 मीट्रिक टन।

जिले में बड़ी संख्या में किसान आलू की खेती पर निर्भर हैं। फसल तैयार होने के बाद बेहतर भाव की उम्मीद में किसानों ने आलू शीतगृहों में रखवाया था।

अब करीब साढ़े चार महीने का समय बीतने के बाद भी बाजार में मजबूत तेजी नहीं आने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसान बताते हैं कि बोरा, ट्रैक्टर का भाड़ा, लदान–उतराई और अन्य खर्च जोड़ने के बाद कम भाव पर बिक्री करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है।

मथुरा मंडी के अलावा कोसीकलां क्षेत्र में भी आलू कारोबार से जुड़े किसान और व्यापारी भाव में उतार–चढ़ाव पर नजर रखे हुए हैं। उपलब्ध मंडी आंकड़ों में कोसीकलां में भी आलू के भाव 600 से 800 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास रहे हैं। किसानों का कहना है कि हाइब्रिड सफेद आलू की कुछ किस्मों में लागत अधिक आती है, जबकि उत्पादन और बाजार मांग के अनुपात में दाम नहीं मिल पाते। लाल आलू की स्थिति भी बहुत बेहतर नहीं है। दूसरी ओर चिप्सोना और हॉलैंड जैसी किस्मों के भाव भी किसानों की उम्मीद के अनुरूप नहीं हैं।

जिले के आलू उत्पादक अब सरकार से बाजार में हस्तक्षेप, भंडारित आलू की निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था और किसानों को लागत के अनुरूप लाभकारी मूल्य दिलाने की मांग कर रहे हैं।

किसानों का कहना है कि यदि जल्द भाव नहीं सुधरे तो आने वाले सीजन में आलू की खेती का रकबा प्रभावित हो सकता है।

भंडारित आलू वाले किसानों को मिलेगी मदद

यूनिक समय, मथुरा। आलू की कीमतों में गिरावट से परेशान किसानों को राहत देने के लिए प्रदेश सरकार ने भामाशाह भाव स्थिरता कोष के तहत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम भावांतर भुगतान का प्रावधान किया है। इसके लिए 100 करोड़ का बजट रखा गया है। इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज में रखे आलू पर एक रुपये प्रति किलोग्राम भंडारण शुल्क की राहत देने के लिए 1,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। दोनों राहतों का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में किए जाने की जानकारी दी गई है। जिला उद्यान अधिकारी प्रशांत सिंह ने बताया कि इस बार सरकार ने दोनों स्थितियों में राहत देने की कोशिश की है। भामाशाह कोष से भावांतर भुगतान और कोल्ड स्टोरेज शुल्क में राहत के साथ सरकार दूसरे राज्यों में यूपी के आलू के लिए नए बाजार तलाशने पर भी जोर दे रही है। इस बार वर्षा कम होने से आलू की मांग दूसरे राज्यों से नहीं आ रही है।

बेटी की हत्या करने पर माता–पिता को उम्रकैद

पांच–पांच हजार का अर्थदंड भी लगाया

लाल सूटकेस में बंद मिला था बेटी का शव

यूनिक समय, मथुरा। विशेष न्यायाधीश (ईसीएक्ट)अपर सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार यादव ने दंपत्ति को बेटी की हत्या करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि पांच –पांच हजार का जुर्माना भी लगाया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मुकेश बाबू गोस्वामी ने बताया कि थाना राया के यमुना एक्सप्रेस- वे कट पर झाड़ियों में एक लाल रंग के सूट केस में एक युवती का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने इस मामले की जांच की तो युवती की शिनाख्त आयुषी पुत्री निदेश यादव निवासी 65 बदरपुर मोड़ बंद एक्सटेंशन थाना बदरपुर दिल्ली के रूप में उसकी मां बृजवाला द्वारा की गई। इस मामले में 18 नवंबर 2022 को थाना राया में हत्या और शव को छिपाने का मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि आयुषी की हत्या उसके पिता निदेश यादव ने गोली मार कर की और मां के सहयोग से युवती को लाल रंग के सूट केस में बंद कर उसे एक्सप्रेस-वे पर फेंक दिया था। पुलिस ने इस मामले में पिता निदेश यादव और मां बृजवाला को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया।

मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (ईसीएक्ट)अपर सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार यादव के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बेटी की हत्या करने के मामले में दोनों को उक्त सजा से दंडित किया।

दो तमंचाधारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस ने दो तमंचाधरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो तमंचे बरामद किए हैं। पुलिस ने अभियुक्त लवकुश और विनोद कुमार निवासी मुरेंडा थाना सिकंदरा जिला आगरा को पींगरी जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी तमंचे कारतूस बरामद किए हैं।

वृंदावन में बनाएंगे भव्य होटल, परिक्रमा मार्ग की चर्चा

विराट कोहली की वृंदावन में दिलचस्पी बढ़ी, करेंगे निवेश!

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद से मुलाकात और दर्शन के लिए भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के वृंदावन आने का सिलसिला चर्चा में रहा है। पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ भी वह कई बार वृंदावन आ चुके हैं। अब उनके वृंदावन में निवेश करने और परिक्रमा मार्ग के आसपास होटल बनाने में रुचि दिखाने की चर्चाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के अनुसार, हाल में विराट कोहली की वृंदावन यात्रा के दौरान निवेश को

लेकर चर्चा होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि होटल कारोबार में संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने यहां निवेश में रुचि दिखाई है। वृंदावन में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या और धार्मिक पर्यटन के विस्तार के कारण बड़े होटल और आतिथ्य परियोजनाओं के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। जानकारों के अनुसार, कोहली से जुड़े लोगों द्वारा परिक्रमा मार्ग के रमणरेती क्षेत्र में एक स्थान देखे जाने की चर्चा है। यह स्थान केलीकुंज आश्रम के आसपास बताया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर जमीन की कीमत करीब 200 से 250 करोड़ रुपये के बीच आंके जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, जमीन की खरीद, सौदे या होटल निर्माण को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सौदा हुआ तो बदल सकता है क्षेत्र का स्वरूप

यदि भविष्य में जमीन का सौदा होता है और होटल परियोजना आकार लेती है तो रमणरेती क्षेत्र में एक बड़े होटल का निर्माण हो सकता है। इससे वृंदावन में धार्मिक पर्यटन के साथ आतिथ्य क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। फिलहाल विराट कोहली के निवेश और होटल निर्माण की चर्चाओं पर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

बांकेबिहारी के दर्शन कर थम गई महिला श्रद्धालु की सांस

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन करने आई दिल्ली की एक बुजुर्ग महिला की सांसें थम गई। शायद महिला या उसके परिजनों को यह अहसास नहीं होगा कि ठाकुरजी की शरण में भी मौत हो सकती है। प्रारंभिक तौर पर मौत की वजह संभव उमस भरी गर्मी या हार्ट अटैक माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को दिल्ली की मधुबन कालोनी निवासी चांदनी सिक्का (60) अपनी केयरटेकर संगीता अवस्थी और कार चालक लक्ष्मीप्रसाद के साथ बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं।

बताते हैं कि मंदिर में दर्शन करने के बाद चांदनी सिक्का गेट संख्या चार से बाहर निकलीं और चबूतरे पर बैठकर प्रसाद पाकर पानी भी पिया।

इसके बाद अचानक उनकी

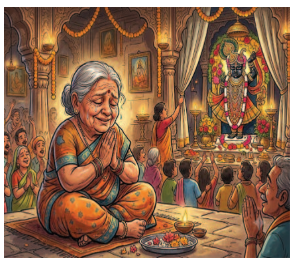

तबीयत बिगड़ी और चक्कर आने लगे, कुछ देर बाद वह बेहोश हो गईं। साथ आए लोगों ने उनको उठाने की कोशिश की, लेकिन वह उठ न सकी।

हालात बिगड़ने पर सुरक्षा गार्डों ने तत्काल मंदिर में तैनात डाक्टरों को बुलाया। जांच के बाद चिकित्सकों ने एंबुलेंस से महिला को जिला संयुक्त चिकित्सालय भेज दिया। यहां डाक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। चिकित्सालय में आपातकालीन विभाग में तैनात डा. विनीत यादव ने बताया कि महिला की चिकित्सालय पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही इलाका पुलिस संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंच गई। केयर टेकर संगीता अवस्थी और चालक बिना पोस्टमार्टम के ही शव लेकर दिल्ली रवाना हो गए।

मंदिर दर्शन को आए श्रद्धालु की यह पहली बार मौत नहीं हुई है। पहले भी उमस भरी गर्मी और हार्ट अटैक से कई श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। मंदिर प्रशासन को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

इतनी परेशानी से होते हैं ठाकुर जी के दर्शन...

यूनिक समय,वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में इन दिनों श्रद्धाल गर्मी और उमस से परेशान दिखाई दे रहे है। दर्शन करने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ रहा है। वह जैसे-तैसे मंदिर के आंगन तक पहुंचते हैं। वैसे ही उनको थकान सी महसूस होती है। भीड़ के कारण कई श्रद्धालु तो जल्द ही बाहर निकलने की कोशिश करते है। वह उमस और गर्मी झेल नहीं पाते हैं। इसी कारण हालात बिगड़ जाती है। वजह अधिकांश श्रद्धालु एसी कमरों में रहने वाले यहां आते हैं। यहां आते हैं तो ठडी हवा मिलती नहीं है। बल्कि भीड़ के बीच बढ़ते हुए मंदिर तक पहुंच जाते हैं। बीच रास्ते में ऐसी कोई जगह भी नहीं है कि कहीं पांच–दस मिनट रूक जाएं। इसी कारण श्रद्धालु परेशानी झेलते हुए ठाकुरजी की एक झलक पाकर बाहर निकलने की कोशिश करते हैं। गेट चार और एक से बाहर निकलने पर कुछ राहत महसूस होती है तो मुंह से बरबस निकलता है कि ठाकुरजी मुश्किल से दर्शन मिले। ऐसी भीड़ में आना तो मुश्किल होता है।

44 मामलों में बिजली चोरी पकड़ी 102 किलोवाट भार पर कार्रवाई

बिजली चोरी करने वाले के खिलाफ चेकिंग करते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत चोरी पर अंकुश लगाने और लाइन लॉस कम करने के लिए बुधवार को जिलेभर में चेकिंग और छापामार अभियान चलाया गया। मुख्य अभियंता, मथुरा क्षेत्र, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निर्देशन में चले अभियान में बिजली चोरी के 44 मामले पकड़े गए। इन मामलों में कुल 102 किलोवाट विद्युत भार अवैध चोरी करते लोग पकड़े गए।

उपखंड अधिकारी समर्थ श्रीवास्तव के नेतृत्व में अहोई खुर्द क्षेत्र में चेकिंग की गई। यहां बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े गए। वहीं सहायक अभियंता शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में इंदुपुरम कॉलोनी में

अहोई खुर्द और इंदुपुरम समेत कई क्षेत्रों में चला चेकिंग अभियान

अभियान चलाया गया, जहां छह मामले पकड़े गए। साथ ही आन्यौर, नीमगांव, अड़ीग, बाजना टाउन और बरारी क्षेत्र में भी बिजली कनेक्शन, मीटर, सर्विस केबल, लाइनों और परिसरों की जांच की गई। अभियान के दौरान पकड़े गए लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी की, संवेदनशील क्षेत्रों और अधिक लाइन लॉस वाले फीडरों को चिन्हित कर लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टाटा मैक्स ने स्कूटी को मारी टक्कर स्कूटी सवार तीन घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदरबाजार क्षेत्र स्थित औरंगाबाद के समीप तेज गति से आती मैक्स गाड़ी ने सड़क पार करते स्कूटी सवार को टक्कर मार दी, दुर्घटना में तीन लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मथुरा–आगरा मार्ग पर औरंगाबाद के समीप प्राइमरी स्कूल पास शहर से आगरा की ओर जाती टाटा मैक्स गाड़ी ने वहां सड़क पार करते स्कूटी सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। एक का पैर टूट गया, दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

रामलीला संस्थान चुनाव की आहट अध्यक्ष पद के दावेदारों का प्रचार तेज

यूनिक समय, कोसीकलां। विश्व प्रसिद्ध भरत मिलाप मेले से पहले श्री रामलीला संस्थान में चुनाव को लेकर माहौल बनने लगा है। संस्थान के द्विवार्षिक चुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं हुई, लेकिन अध्यक्ष पद के इच्छुक लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। दावेदार अपने समर्थकों के साथ बैठकें कर रहे हैं और फेसबुक, व्हाट्सएप पर पुराने सामाजिक कार्यों को साझा कर समर्थन जुटा रहे हैं। बता दें कि उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल भरत मिलाप का आयोजन श्री रामलीला संस्थान द्वारा किया जाता है। मेले की सफलता संस्थान की कार्यकारिणी पर निर्भर करती है, इसलिए अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। संस्थान में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन के अगले दिन चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाती है। साधारण सभा की बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष का चयन कर उसे मेले के संचालन की जिम्मेदारी दी जाती है। संस्थान अध्यक्ष अजय मंगला ने बताया कि इस बार अध्यक्ष पद के लिए सोशल मीडिया पर आठ से 10 नाम सामने आ रहे हैं। जल्द ही चुनाव की तिथि तय कर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

घटाओं की आहट, बारिश का इंतजार बरकरार

बरसात की बेरुखी से धान पर संकट, कम बारिश से अन्नदाता चिंतित

बारिश की कमी से सूखने लगी किसानों की उम्मीद बारिश दे रही दगा

यूनिक समय, मथुरा। आसमान पर रोजाना बादल छा रहे हैं। काली घटाएं घिरती हैं और बयार के साथ बादल उमड़ते–घुमड़ते हैं, लेकिन बारिश नहीं हो रही है। बादलों का यह छल किसानों के लिए चिंता का कारण बन गया है। जुलाई में कम बारिश के बाद अगस्त में भी अब तक अपेक्षित वर्षा नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलों पर संकट गहराने लगा है। रजबहा और माइनरों में पानी की कमी ने अन्नदाताओं की परेशानी और बढ़ा दी है।

मथुरा में जून–जुलाई के दौरान बारिश सामान्य से कम रही। जून से 31 जुलाई तक जिले में करीब 147.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा करीब 234.7 मिलीमीटर मानी जाती है। यानी

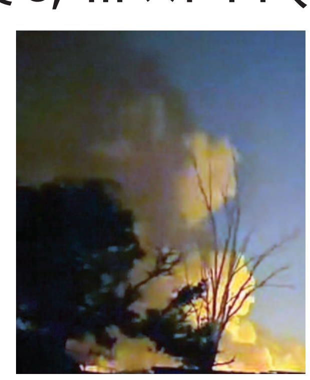

बुधवार सुबह आसमान पर छाए बादल।

सामान्य के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत कम बारिश हुई। जुलाई में भी बारिश का आंकड़ा किसानों की उम्मीदों के अनुरूप नहीं पहुंच सका। इसके बाद अगस्त में भी बादल तो लगातार दिखाई दे रहे हैं, लेकिन बारिश कई क्षेत्रों में छिटपुट ही हो रही है। बारिश की कमी का सबसे अधिक असर धान की फसल पर पड़ रहा है।

धान को पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। खेतों में नमी बनाए रखने के लिए किसान अब वैकल्पिक साधनों का सहारा ले रहे हैं।

कहीं किसान नलकूपों से खेतों में पानी पहुंचा रहे हैं तो कहीं सिंचाई के लिए पानी खरीदने तक की नौबत आ गई है। इससे किसानों की लागत बढ़ रही है और फसल की चिंता भी बनी हुई है।

रजबहा–माइनरों में पानी कम, किसान परेशान

रजबहा और माइनरों में पर्याप्त पानी नहीं होने से भी किसानों को राहत नहीं मिल पा रही है। बारिश की आस में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। दिन में बादलों की आवाजाही से बारिश की उम्मीद जगती है, लेकिन कई बार बिना बरसे ही बादल आगे निकल जाते हैं। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान समेत अन्य फसलों की सिंचाई का खर्च और बढ़ सकता है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, मानसून ट्रफ के क्षेत्र से दूर रहने, निम्न दबाव वाले सिस्टम की कमजोर सक्रियता और नमी के पर्याप्त प्रवाह नहीं होने के कारण मथुरा में बादल तो बन रहे हैं, लेकिन बारिश नहीं हो पा रही है।

स्क्रेप फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का स्क्रेप राख

गोकुल रैस्टोरेंट के समीप स्क्रेप फैक्ट्री में लगी भीषण आग।

ऊपर से गुजरते विद्युत तारों से निकली चिंगारी से लगी आग

फैक्ट्री स्वामी प्रमोद कुमार कसेरे ने आग लगाने का कारण बिजली के तारों को बताया। कहा कि उनकी फैक्ट्री के ऊपर से होकर 33 हजार केवीए की लाइन जा रही है। विद्युत लाइन से निकली चिंगारी कचरे के ढेर पर गिरने से आग लग गई। आग बुझाने के लिए पानी का इंतजाम उनके टेंकरों, होटल बृजवासी लैंडस इन, शिवांगी इंपैक्स और प्लंबर ग्रुप के सहयोग से किया गया।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गोकुल रैस्टोरेंट के समीप स्थित एक स्क्रेप की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटों को देख इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग से लाखों का नुकसान होने की आशंका है।

दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

गोकुल रैस्टोरेंट के समीप स्थित उद्योगपति प्रमोद गर्ग की स्क्रेप फैक्ट्री से भीषण आग की लपटें उठती देख इलाके में हड़कंप मच गया। आस–पास के लोग बढ़ती आग से भयभीत हो गए।

आग को देख लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को इस बारे में सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड की दमकलें आग को बुझाने के लिए स्कैप फैक्ट्री पर पहुंच गई। बताया गया कि आग का तेजी बढ़ने का कारण स्क्रेप में मौजूद ज्वलनीश वस्तुओं ने आग की भीषणता को और तेज कर दिया। देखते ही देखते आग ने पूरे स्क्रप को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड की दमकलों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग से लाखों रुपये का स्क्रेप आग में जल गया। फायर ब्रिगेड आग से हुए नुकसान का आंकलन कर रही है। फैक्ट्री में लगी आग के बुझने पर ही आस–पास के लोगों ने राहत की सांस ली।

रक्षाबंधन पर बंदी भाइयों से मुलाकात को लेकर जेल में तैयारियों शुरू

यूनिक समय, मथुरा। रक्षा बंधन त्यौहार को लेकर जिला कारागार में तैयारियां शुरू हो गई है। बड़ी संख्या में बहनें कारागार में निरुद्ध भाईयों को राखी बांधने के लिए आती है। जेल प्रशासन ने त्यौहर को लेकर सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए हैं। मुलाकात का समय प्रातः आठ बजे रहेगा।

जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने बताया कि जिला कारागार में निरुद्ध पुरुष बंदियों से रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में बहनें मिलने के लिए आती हैं। इसके मद्देनजर कारागार में सुरक्षा इतंजाम किए जाएंगे। मिलाई करने के लिए आने वाली बहनों को गेट पर लगे बैरियर पर रोक दिया जाएगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वहां से ग्रुपों में मिलाई के लिए भेजा जाएगा। मिलाई करने के लिए आने वालों की भी तलाशी की जाएगी। इसके साथ ही कारागार में निरुद्ध बंदियों को भी तलाशी लेने के बाद निकाला जाएगा और

जेल परिसर में रहेगी कड़ी सुरक्षा, ग्रुप में होगी मुलाकात

महिला बंदियों से भी भाई करेगें सायं को मुलाकात

लौटने पर दोबारा उनकी तलाशी होगी। जेल की सुरक्षा कड़ी की जाएगी। इसके साथ ही मिलाई को आने वाली बहनों के लिए सल्पाहार की भी व्यवस्था की जाएगी। जेल के बाहरी गेट पर पुलिस फोर्स और ट्रैफिक पुलिस की अलग से व्यवस्था की जाएगी। मिलाई को आने वाली महिलाओं को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों के भाईयों की मुलाकात सायं को कराई जाएगी।

असामाजिक तत्वों ने तोड़ी मांट विधायक की शिलापट्टिका

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के गांव आदमपुर में मांट विधायक राजेश चौधरी के नाम लगी शिलापट्टिका को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़कर क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। शिलापट्टिका क्षतिग्रस्त मिलने के बाद क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

बताया जा रहा है कि मांट क्षेत्र में शिलापट्टिकाएं क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। ऐसे में लोगों का सवाल है कि सार्वजनिक संपत्ति और जनप्रतिनिधियों के नाम लगी शिलापट्टिकाओं को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। मामले की जानकारी लेने के लिए जब

असमाजिक तत्वों द्वारा तोड़ी गई शिलापट्टिका।

मौके पर मौजूद कई लोगों से बात करने का प्रयास किया गया तो वह इस बारे में कुछ भी बोलने से कतराते नजर आए।

लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर शिलापट्टिका क्षतिग्रस्त करने वालों की पहचान कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

चुनावी मुद्दा बनेगा छाता शुगर मिल का आंदोलन

यूनिक समय, छाता। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में छाता शुगर मिल का मुद्दा छा सकता है। वजह भी है कि पिछले चुनावी भाषणों छाता शुगर मिल खूब चर्चा रही। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह एक चुनावी सभा में शुगर मिल को चालू कराने का वायदा कर गए। योगी सरकार के दो कार्यकालों में इस मिल को चालू कराने के लिए राशि स्वीकृति होने का प्रस्ताव भी मीडिया की सुर्खियां बना। अब चुनाव से पहले ही छाता शुगर मिल को चालू कराने की मांग को लेकर आंदोलन शुरु हो गया। आंदोलन के बीच यूपी के गन्ना विकास-चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण ने अपने क्षेत्र की जनता का गुस्सा भांपते हुए सितंबर में शुगर मिल का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराने का ऐलान कर दिया। इसके बाद भी आंदोलनकारी डटे नजर आ रहे हैं। आंदोलन की बागडोर

पूर्व सैनिकों के समर्थन में आए नेता और संत

भूतपूर्व सैनिकों के हाथों में चली गई है।

भूतपूर्व सैनिकों द्वारा दिए जा रहे धरने को ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत सभा का समर्थन मिल गया है। ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिकरवार ने पूर्व सैनिकों की मांगों का खुलकर समर्थन किया। कहा कि यह लड़ाई केवल पूर्व सैनिकों की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों और जनता के हक की लड़ाई है। अंतरराष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता-भारतीय हिंदू शुद्धि सभा के अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद भूतपूर्व सैनिकों, स्थानीय आंदोलनकारियों के अनिश्चितकालीन धरना में शामिल हुए और अपना समर्थन व्यक्त किया। सूबेदार ललित कर्मयोगी ने स्वामी का स्वागत किया।

देवर ने शराब पीकर भाभी से की मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव पिरसुआ में देवर ने शराब पीकर भाभी के साथ मारपीट की वहीं, इसी थाने के गांव सरुआ में छोटे भाई ने बड़े भाई के साथ मारपीट की और सामान तोड़ फोड़ कर चारपाई में आग लगा दी।

थाना राया के गांव पिरसुआ निवासी सुनीता पत्नी संतोष ने बिचपुरी चौकी पर दी गई तहरीर में बताया है कि मंगलवार की सांय करीब आठ बजे देवर राजकुमार ने शराब पीकर उसके साथ गाली- गलौज करते हुए मारपीट की। अगले दिन भी राजकुमार ने गाली-गलौज करते हुए दोबारा मारपीट करने का प्रयास किया। पीड़िता ने पुलिस चौकी पर पहुंचकर देवर के खिलाफ गाली-गलौज और मारपीट करने की शिकायत दी है। पुलिस ने तहरीर मिलने पर जांच शुरू कर दी है।

छोटे भाई ने बड़े भाई को पीटा, चारपाई में लगाई आग

दूसरी घटना में थाना राया के गांव सरुआ में रहने वाले हरेंद्र सिंह ने अपने छोटे भाई के खिलाफ दी तहरीर में कहा है कि दो दिन से उसका छोटा भाई भोला घर में गाली गलौज और मारपीट कर रहा है। बुधवार प्रातः उसने घर में रखे सामान को तोड़ना–फोड़ना शुरू कर दिया। एक चारपाई में भी आग लगा दी। भोला का विरोध किया तो उसने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

दो नामजदों सहित तीन के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में चामुंडा देवी मंदिर कट के समीप साधु राघव रास उर्फ बटूर की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ परिवारी जनों की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीओ सदर ने इस बारे में बताया कि दो दिन पूर्व चामुंडा देवी मंदिर कट के समीप कुएं पर पुलिस को एक अज्ञात साधू का शव बरामद हुआ था। वहां एक घायल भी मिला था। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया था। साधु के परिवार को जानकारी दी गई। परिवार के लोगों ने इस मामले में थाना वृंदावन में तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके साथ घायल अर्जुन आदि थे। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

परिवार के लोगों ने लिखाया मुकदमा

विश्व फोटोग्राफी दिवस : तस्वीरों में कैद यादें, बदलती दुनिया की कहानी

यूनिक समय, मथुरा। तस्वीरें सिर्फ किसी पल को कैद करने का माध्यम नहीं, बल्कि समय, समाज और बदलती जीवनशैली का दस्तावेज भी हैं। एक तस्वीर बीते हुए समय की यादों को ताजा करने के साथ उस दौर की कहानी भी बयां करती है। हर साल 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। यह दिन फोटोग्राफी की कला, उसके विकास और जीवन में उसके महत्व को समझने का अवसर देता है।

एक समय था जब कैमरा हर किसी की पहुंच में नहीं होता था। परिवार में किसी खास अवसर पर तस्वीर खिंचवाना बड़ी बात मानी जाती थी। तस्वीर

खिंचने के बाद उसे तैयार होने का इंतजार रहता था। एलबम में सजी तस्वीरें वर्षों तक परिवार की यादों को संजोकर रखती थीं। कैमरे के आकार और तकनीक में बदलाव के साथ तस्वीर खींचना आसान होता गया।अब मोबाइल फोन ने फोटोग्राफी को हर व्यक्ति की जिंदगी का हिस्सा बना दिया है। बच्चे हों

कैमरे से मोबाइल तक बदला तस्वीरों का संसार, हर खास पल को सहेज रही नई पीढ़ी

या बुजुर्ग, हर कोई अपने आसपास के खास पलों को तस्वीरों में सहेज रहा है। जन्मदिन, विवाह, त्योहार, यात्रा और पारिवारिक समारोहों से लेकर रोजमर्रा के खूबसूरत पलों तक, कैमरा हर जगह मौजूद है। डिजिटल तकनीक ने तस्वीरों को सुरक्षित रखना भी आसान कर दिया है। हजारों तस्वीरें मोबाइल फोन और संगणक में लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती हैं। पत्रकारिता में भी फोटोग्राफी का विशेष महत्व है। किसी घटना की प्रभावी तस्वीर कई बार कुछ ही क्षणों में पूरी कहानी सामने रख देती है। सड़क हादसा, धार्मिक आयोजन, सामाजिक कार्यक्रम, प्राकृतिक आपदा या किसी बड़ी उपलब्धि का दृश्य समाचार को अधिक प्रभावशाली बनाता है। फोटोग्राफी केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और घटनाओं को सहेजने की कला भी है। समय बदलता रहेगा, लेकिन तस्वीरों में कैद पल आने वाली पीढ़ियों को बीते दौर की झलक दिखाते रहेंगे।

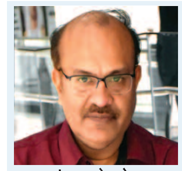
संजय मेहरोत्रा

मेहरोत्रा स्टूडियो के संजय मेहरोत्रा बताते हैं कि तकनीक बदलने के बावजूद अच्छी तस्वीर का महत्व कम नहीं हुआ है। उनके अनुसार, तस्वीर केवल दृश्य नहीं होती, बल्कि वह किसी व्यक्ति, परिवार या घटना से जुड़ी भावनाओं और यादों को वर्षों तक जीवित रखती है। पत्रकारिता में भी तस्वीर समाचार को अधिक प्रभावी बनाती है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी

500 किलो पनीर और 2000 लीटर दूध नष्ट

यूनिक समय, शेरगढ़। रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। थाना क्षेत्र के गांव हुसैनी में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पनीर निर्माण इकाई पर छापा मारकर करीब 500 किलो पनीर और 2000 लीटर दूध नष्ट कराया। जांच के दौरान पनीर बनाने में इस्तेमाल की जा रही संदिग्ध सामग्री भी बरामद की है। इकाई संचालक के खिलाफ शेरगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य

पनीर निर्माण इकाई पर संदिग्ध सामग्री बरामद

सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने सोनू कुमार पुत्र छीतर मल की पनीर निर्माण इकाई पर कार्रवाई की। टीम को मौके पर 80 किलो रिफाइंड सोयाबीन तेल, 20 किलो टीनोपाल रसायन, 12 किलो रंगकाट (सोडियम हाइड्रोसल्फेट), स्किम्ड मिल्क पाउडर और सोयाबीन मिला। अधिकारियों ने संदिग्ध सामग्री को कब्जे में लेकर सील कर दिया। खाद्य सुरक्षा टीम ने पनीर और दूध के दो-दो नमूने लिए। इसके अलावा रिफाइंड पामोलीन तेल, सोयाबीन, टीनोपाल और स्किम्ड मिल्क पाउडर के एक-एक नमूने लिए गए। कुल नौ नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए। अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला की रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान करीब 1.05 लाख रुपये कीमत का 500 किलो पनीर और करीब 1.25 लाख रुपये कीमत का 2000 लीटर दूध को नष्ट कराया गया।

मूर्ति चोरी की शिकायत पर प्रशासन ने की स्थलीय जांच

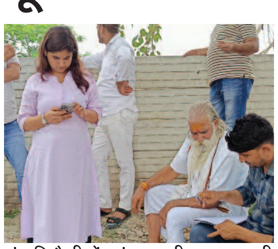
गांव बिठौली में जांच करती प्रशासन की टीम।

यूनिक समय, छाता। ग्राम बिलौठी में करीब 20 वर्ष पुराने मंदिर को हटाने और मूर्ति चोरी किए जाने की शिकायत का प्रशासन ने संज्ञान लिया है। शिकायतकर्ता कुमर सिंह बाबा द्वारा लखनऊपहुंचकर शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद छाता प्रशासन टीम ने गांव पहुंचकर मौके की जांच की। नायब तहसीलदार रूबी यादव के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम बिलौठी पहुंची। टीम में संबंधित क्षेत्र के लेखपाल और कानूनगो भी शामिल रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मंदिर और आसपास की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित राजस्व अभिलेखों का मिलान किया। शिकायतकर्ता कुमर सिंह बाबा ने अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी बिंदुवार दी।

पुरानी पेंशन बहाली को कल निकलेगी तिरंगा रैली

यूनिक समय, मथुरा। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को कल तिरंगा रैली का आयोजन होगा। राजीव भवन से निकलने वाली इस रैली में समूचे जिले के उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाईकर्मी शामिल होंगे।

यह जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष- जिला महामंत्री जगत चौधरी ने बताया के पुरानी पेंशन कर्मचारियों का हक है, इसे लेकर हर स्तर पर लड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि रैली में सभी 10 ब्लाक के सभी सफाई कर्मचारी सहभागिता करेंगे। कल सुबह 11 बजे राजीव भवन से रैली निकाली जाएगी, जो कलेक्ट्रेट तक जाएगी, जहां डीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन को लेकर उत्तर प्रदेश का सफाई कर्मचारी एक है, उनकी मांगे जायज है। सफाई कर्मचारियों की सेवा नामावली बनाई जाए, उनसे अतिरिक्त कार्य न लिए जाए और आनलाइन हाजिरी से मुक्त रखा जाए। संगठन के मंडल महामंत्री प्रदीप चौधरी, जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश, जिला मीडिया प्रभारी जगबीर चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष हरि नारायण, जिला संम्प्रेक्षक यादवेश, जिला संगठन मंत्री चरण सिंह सैनी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदेश, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जाटव और पांच ब्लाकों के अध्यक्षों ने सभी सफाईकर्मियों से तिरंगा रैली में सहभागिता करने को कहा है।

किसान दिवस में छाया बिजली-पानी का मुद्दा

किसान दिवस में मौजूद किसान और अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित सभागार में आयोजित किसान दिवस में बिजली और पानी की समस्याएं प्रमुखता से उठीं। किसानों ने अधिकारियों के सामने कहा कि कम वर्षा के कारण फसलों को सिंचाई के लिए पानी की अधिक जरूरत है, लेकिन माइनर और रजबहों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में किसान नलकूपों पर निर्भर हैं, लेकिन बिजली की अघोषित कटौती उनकी परेशानी और बढ़ा रही है।

किसानों ने कहा कि बिजली नहीं मिलने के कारण नलकूप नहीं चल पा रहे हैं और खेतों की समय पर सिंचाई नहीं हो रही है। धान समेत अन्य फसलों को पानी की आवश्यकता है। यदि समय पर सिंचाई नहीं हुई तो उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। किसानों ने सिंचाई विभाग और बिजली विभाग से समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की।

किसानों ने गोवंश में फैल रहे लंपी रोग को लेकर भी चिंता जताई। उनका आरोप था कि पशुपालन विभाग की ओर से बीमारी की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

किसानों ने गोवंश में फैल रहे लंपी रोग को लेकर भी जताई चिंता

पशुओं का टीकाकरण भी पर्याप्त स्तर पर नहीं हो रहा है। किसानों ने गांवों में अभियान चलाकर गोवंश का टीकाकरण कराने की मांग की। खाद आदि से जुड़ी समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखी गईं।

किसान दिवस में करीब एक दर्जन किसानों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित शिकायती पत्र अधिकारियों को सौंपे। इनमें से चार शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। किसान दिवस में प्रभारी उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी प्रशांत, उप निबंधक सहकारिता, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक सहित बिजली, सिंचाई, पशुपालन और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

लगन पत्रिका लेखन संग मेहंदी, ब्यावला मनोरथ का शुभारंभ

ब्यावला मनोरथ कार्यक्रम को हाथों पर रचाई मेहंदी दिखातीं अग्रवाल क्लब परिवार की सदस्याएं।

यूनिक समय, मथुरा। अग्रवाल क्लब परिवार की ओर से 19 और 20 अगस्त को श्रीनाथद्वारा, राजस्थान में आयोजित होने वाले ब्यावला मनोरथ कार्यक्रम का शुभारंभ मथुरा की अग्रवाटिका में राधा रानी की लगन पत्रिका लेखन, मेहंदी और भजन संध्या के साथ भव्य रूप से हुआ। कार्यक्रम में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप विभिन्न आयोजन किए।

कार्यक्रम की शुरुआत राधा रानी के अष्ट सखियों के साथ आगमन से हुई। वृषभान और कीर्तिदा की भूमिका निभा रहे नरेंद्र अग्रवाल और अंजना अग्रवाल लाडली जी को अपने साथ कार्यक्रम स्थल पर लेकर पहुंचे। सदस्यों ने नाचते-गाते हुए उनका स्वागत किया। वैष्णव रीति और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच परंपरानुसार राधा रानी की लगन पत्रिका लेखन की रस्म पूरी की गई।

इसके बाद ठाकुर जी की मेहंदी का आयोजन हुआ। महिलाओं ने मेहंदी लगाकर उत्सव में भाग लिया। नंदलाल

19-20 अगस्त को नाथद्वारा में होगा भव्य आयोजन

पहली बार श्रीनाथजी मंदिर में होगा ब्यावला मनोरथ

और यशोदा की भूमिका निभा रहे अजयकांत-लक्ष्मी गर्ग और नरेंद्र-अंजना अग्रवाल की ओर से सभी महिलाओं को मेहंदी उपहार में दी गई। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं और भजन संध्या भी हुई।

संस्थापक अजयकांत गर्ग ने बताया कि 19 और 20 अगस्त को श्रीनाथद्वारा में द्वारकाधीश जी और श्रीनाथजी का भव्य मिलन होगा। 19 अगस्त को होटल रेडिसन नाथद्वारा में लगन उत्सव, दोनों पक्षों का भात और शाम को महिला संगीत होगा। 20 अगस्त को हल्दी के बाद शाम चार बजे ठाकुर जी की भव्य बारात निकलेगी।

इसके बाद वैदिक रीति से ब्यावला मनोरथ होगा। रात में भजन संध्या भी आयोजित की जाएगी।

व्यापारी एकता संघ ने जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल गोयल को किया सम्मानित

जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल गोयल को सम्मानित करते सुभाष इनर्वटर वाले एवं पदाधिकारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। व्यापारी हित, सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए व्यापारी एकता संघ कोसीकलां ने भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल गोयल को सम्मानित किया।

संघ के पदाधिकारियों ने बुधवार को एक कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल गोयल को प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कन्हैया लाल गोयल व्यापारी वर्ग के हितों के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। कोरोना काल से लेकर अब तक उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाकर निराकरण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही धार्मिक आयोजनों और सामाजिक कार्यों में भी उनका सहयोग सराहनीय रहा है। उनके कार्यों से व्यापारी वर्ग में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर सुभाष इनवर्टर वाले, महेश अग्रवाल, पंकज भार्गव, पंकज विशम्भरिया, कपिल खंडेलवाल सहित व्यापारी एकता संघ के सभी पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

एक ही छत के नीचे होगी 12 वीं तक पढ़ाई

फरह के माल गांव में 28 करोड़ से बनेगा सीएम विद्यालय

यूनिक समय, मथुरा। अब जिले के बच्चों को पढ़ाई के लिए बार–बार स्कूल बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के जरिए प्री–प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की पढ़ाई एक ही परिसर में कराने की तैयारी है। यहां बच्चों को पढ़ाई के साथ आधुनिक लाइब्रेरी और नई तकनीक से शिक्षा देने की सुविधा भी मिलेगी।

जिले में फरह ब्लॉक के माल गांव में करीब 28 करोड़ रुपये की लागत से विद्यालय का निर्माण चल रहा है, जबकि बल्देव ब्लॉक के बांगर नेरा गांव में करीब 25 करोड़ रुपये से विद्यालय बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। फरह ब्लॉक के माल गांव में करीब सात से आठ एकड़ जमीन पर

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय तैयार किया जा रहा है। बड़े परिसर में बनने वाले इस विद्यालय में बच्चों के लिए पढ़ाई का बेहतर माहौल तैयार किया जाएगा। प्री–प्राइमरी कक्षाओं से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को एक ही परिसर में शिक्षा मिल सकेगी।

विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई को आसान और रोचक बनाने पर जोर रहेगा। आधुनिक तकनीक के साथ

बल्देव के बांगर नेरा में विद्यालय के लिए 25 करोड़ का प्रस्ताव पास

पढ़ाई कराने की व्यवस्था होगी। विद्यार्थियों के लिए अच्छी लाइब्रेरी भी तैयार की जाएगी, जहां उन्हें पाठ्यक्रम की किताबों के साथ दूसरी उपयोगी किताबें पढ़ने का अवसर मिलेगा। बल्देव ब्लॉक के बांगर नेरा गांव में करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनाने का प्रस्ताव पास हो चुका है। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। अब विद्यालय के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले की दूसरी तहसीलों में भी ऐसे विद्यालय खोलने की तैयारी है। जिन स्थानों पर अभी विद्यालय स्वीकृत नहीं हुए हैं, वहां जमीन की तलाश की जाएगी। जमीन मिलने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने पर वहां भी विद्यालय बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय शुरू होने के बाद बच्चों को एक ही परिसर में लंबे समय तक पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी। अभी कक्षा बदलने के साथ कई बच्चों को स्कूल भी बदलना पड़ता है। ऐसे में एक ही परिसर में प्री–प्राइमरी से 12 वीं तक पढ़ाई होने से बच्चों और अभिभावकों दोनों को राहत मिलेगी।

कर्मयोग से सशक्त प्रशासन पर अधिकारियों को दिए सफलता के मंत्र

कार्यक्रम का शुभारंभ करते एडीएम पंकज वर्मा और अन्य अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। जिला सभागार में ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक सेवा प्रभाग की ओर से जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए 'कर्मयोग से सशक्त प्रशासन' विषय पर प्रेरणादायी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम देशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत हुआ, जिसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंडलायुक्त सीताराम मीणा रहे। एडीएम वित्त- राजस्व पंकज वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा सहित प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके डॉ. बिन्नी सरीन ने कहा कि प्रशासनिक दायित्व केवल पद और अधिकार से नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच, धैर्य, निस्वार्थ भावना और कर्मयोग की भावना से निभाया जाना चाहिए। इससे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

प्रशासनिक सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके हरीश भाई ने तनावपूर्ण परिस्थितियों में संतुलित मन, स्पष्ट निर्णय क्षमता और सकारात्मक व्यवहार को प्रभावी प्रशासन की आधारशिला बताया। पूर्व मंडलायुक्त सीताराम मीणा ने अपने प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए राजयोग को मानसिक संतुलन और निर्णय क्षमता के लिए उपयोगी बताया।

स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी बीके कृष्णा दीदी ने प्रतिभागियों को राजयोग ध्यान का अनुभव कराया। कार्यशाला के समन्वय में मथुरा रिफाइनरी के आलोक कुमार सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

रामचरितमानस हमें सिखाती है जीवन जीना

संस्कार भारती के पदाधिकारियों के साथ मानस मुक्ताक्षरी प्रतियोगिता में विजयी छात्राएं।

यूनिक समय, वृंदावन। तुलसी जयंती पर मानस मर्मज्ञ निकुंजवासी पंडित मुंशीलाल मिश्र की स्मृति में संस्कार भारती के बैनर तले मानस मुक्ताक्षरी प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य रजनी गुप्ता ने कहा कि मानस की चौपाइयां जीवन की सूत्र हैं, जिन्हें आत्मसात करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि ब्रह्मचारी मिश्र ने कहा कि रामचरितमानस हमें जीवन जीना सिखाती है, आदर्श और संबंधों का ज्ञान करती है।

संस्था के अध्यक्ष ब्रजकिशोर त्रिपाठी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य और भारतीय भक्ति परंपरा के महान संत और कवि थे । एक छात्रा ने संत गोस्वामी तुलसीदास का स्वरूप धारण कर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सुमन शर्मा ने साधयति संस्कार भारति भारते नवजीवन गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। जूनियर वर्ग में 10 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसमें विधि ने प्रथम कृष्णा रानी द्वितीय और दुहि अधिकारी तृतीय स्थान पर रहीं।

सीनियर वर्ग में 10 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसमें शुभांगी ने प्रथम, प्रिया ने द्वितीय और सृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार -प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक डा.राजा कविराज, विनय गोस्वामी और ज्योत्सना त्रिपाठी थे। संचालन लता गौतम ने किया। संयोजन तनु रावत ने किया। संस्था के महामंत्री प्रो.केएम अग्रवाल ने आभार जताया।

गोस्वामी तुलसीदास ने जन–जन में स्थापित किया था राम को

गोस्वामी तुलसीदास जयंती का शुभारंभ करते अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने बुधवार को गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर तुलसी सम्मान समारोह का आयोजन किया। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ, नगर अध्यक्ष आचार्य करन कृष्ण गोस्वामी, ब्रज प्रदेश महामंत्री पं राजेश पाठक, पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के हरि सुरेशचार्य, पं जगदीश प्रसाद गोस्वामी ने संयुक्त रूप से गोस्वामी तुलसीदास के चित्रपट पर माल्यार्पण-दीप प्रज्वलित करके किया।

ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ, नगर अध्यक्ष आचार्य करन कृष्ण गोस्वामी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास प्रकांड विद्वान थे। उन्होंने रामचरितमानस जैसे महाकाव्य की रचना कर मानव जाति को अमूल्य उपहार प्रदान किया। महामंत्री पं राजेश पाठक ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के द्वारा भगवान राम को जन–जन में स्थापित किया।

पं कपिल आनंद चतुर्वेदी ने कहा कि मुगल काल की विशंभ परिस्थितियों में गोस्वामी तुलसीदास ने सनातन ध्वजा को झुकने नहीं दिया, लेकिन आज ब्राह्मणों पर कुठाराघात हो रहा है।

इस अवसर पर गोविंद प्रसाद शर्मा, अजय शर्मा, महामंडलेश्वर डॉ आदित्य आनंद, जगदीश गोस्वामी, महंत बाबा रामदास, आचार्य अनिल शास्त्री, बालकिशन शर्मा बालो पंडित, राजेश शास्त्री, पुंडरीक कृष्ण शास्त्री, राज नारायण गौड़, आचार्य गोपाल शास्त्री, राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

आरसीए महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई तुलसीदास जयंती

यूनिक समय, मथुरा। तुलसीदास की जयंती आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा सांस्कृतिक और विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग डॉ. मेनिका गुप्ता ने तुलसीदास के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि देकर किया गया। छात्रा शिवानी, श्रद्धा अग्रवाल, राधा, राधिका पटेल ने रामचरितमानस के दोहा और चौपाइयां प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में कल्पना वाजपेयी, भारती सागर, मंजू दलाल, स्मृति शर्मा, सोनम यादव आदि उपस्थित रहीं।

नवादा के बच्चों के हाथ में पहुंचा टैबलेट, अब खेल–खेल में सीखेंगे गणित

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों की पढ़ाई को आसान और रोचक बनाने की दिशा में जिले ने एक नई पहल की है। सारथी एजुकेशन एनजीओ के सहयोग से नवादा क्षेत्र के बच्चों को टैबलेट वितरित किए गए। इन टैबलेट के माध्यम से कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों को गणित की पढ़ाई कराई जाएगी। डिजिटल माध्यम से पढ़ाई होने से बच्चों के लिए गणित को समझना और सीखना आसान होगा।

बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि टैबलेट में बच्चों की कक्षा और स्तर के

प्राथमिक विद्यालय नवादा के बच्चों को टैबलेट बाटते हुए बीएसए रतन कीर्ति, साथ हैं एजीओ सारथी एजुकेशन के पदाधिकारी।

सारथी एजुकेशन एनजीओ की पहल कक्षा तीन से पांच तक के विद्यार्थियों को मिलेगी डिजिटल शिक्षा

अनुसार गणित से जुड़ी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। बच्चे चित्र, सवाल और अन्य डिजिटल गतिविधियों के माध्यम से गणित के सवालों को समझ सकेंगे।

इससे पढ़ाई बोझिल न होकर उनके लिए रुचिकर बनेगी। खास बात यह है कि प्रदेश में मथुरा को इस तरह की डिजिटल शिक्षा पहल शुरू करने वाला पहला जनपद है,इसका उद्देश्य बच्चों को किताबों के साथ तकनीक से जोड़ना है, इससे उनकी सीखने की क्षमता को बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में तकनीक बच्चों की पढ़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। यदि इसका सही तरीके से उपयोग किया जाए तो कठिन विषयों को भी बच्चों के लिए सरल बनाया जा सकता है।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बिना डॉक्टर की सलाह न डालें स्टेरॉयड वाली आई ड्रॉप

मानसून में आंखों की जलन और सूजन को न समझें मामूली

यूनिक समय, नई दिल्ली। बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं आंखों के लिए कई तरह की परेशानियां भी लेकर आ सकता है। इस दौरान आंखों में लालपन, जलन, पानी आना, सूजन या चिपचिपापन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। कई लोग इसे सामान्य एलर्जी समझकर खुद ही आई ड्रॉप इस्तेमाल करने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक हर बार ऐसा करना सही नहीं है। कुछ लक्षण आंखों में गंभीर संक्रमण की शुरुआत भी हो सकते हैं।

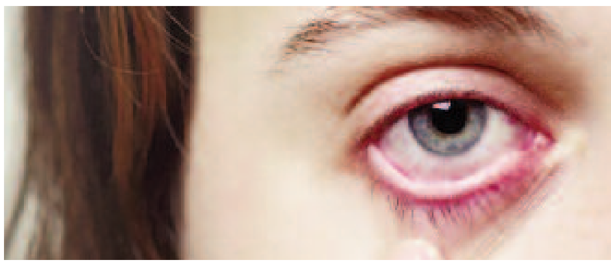

आखिर मानसून में क्यों बढ़ जाता है आंखों का संक्रमण: बारिश के मौसम में वातावरण में नमी काफी बढ़ जाती है। इससे बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को पनपने का अनुकूल वातावरण मिल सकता है। धूल, प्रदूषण और एलर्जी पैदा करने वाले कण भी आंखों को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि मानसून में वायरल कंजंक्टिवाइटिस, एलर्जी और कॉर्निया से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कॉन्टैक्ट लेंस वालों को रहना होगा ज्यादा सतर्क: अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो मानसून में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। गंदे हाथों से लेंस लगाना, पुराने सॉल्यूशन का दोबारा इस्तेमाल करना, लेंस को लंबे समय तक पहने रखना या उन्हें पहनकर सो जाना संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है। लेंस पहनने के बाद आंखों में दर्द, लालपन या धुंधलापन महसूस हो तो तुरंत लेंस निकाल दें और नेत्र विशेषज्ञ से जांच कराएं।

इन संकेतों को बिल्कुल न करें नजरअंदाज: अगर आंखों में तेज दर्द, अचानक धुंधला दिखाई देना, रोशनी से चुभन, ज्यादा सूजन, पीला या हरा स्राव अथवा लगातार पानी आने जैसी समस्या हो तो डॉक्टर से संपर्क करने में देरी न करें। खासकर कॉन्टैक्ट लेंस पहनने के बाद बढ़ती तकलीफ को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

आंखों को संक्रमण से बचाने के लिए क्या करें: बार-बार आंखों को छूने से बचें और हाथों को साफ रखें। अपना तौलिया, रुमाल, आई मेकअप या आई ड्रॉप किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा न करें। कॉन्टैक्ट लेंस की सफाई और इस्तेमाल के नियमों का पालन करें। सबसे जरूरी बात, बिना डॉक्टर की सलाह के स्टेरॉयड वाली आई ड्रॉप का इस्तेमाल न करें। इससे संक्रमण के लक्षण दब सकते हैं और समस्या गंभीर हो सकती है।

मानसून में आंखों की हर परेशानी सामान्य नहीं होती। समय पर जांच और सही इलाज से कई गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

सफेद बालों को छिपाने के लिए घर पर बनाएं चाय पत्ती हेयर डाई

जानिए आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। सफेद बालों को लेकर लोग अक्सर परेशान रहते हैं और केमिकल वाले हेयर कलर से बचने के लिए घरेलू नुस्खे तलाशते हैं। इंटरनेट पर चाय पत्ती, करी पत्ता, कलौंजी और हल्दी से तैयार एक नेचुरल हेयर डाई का तरीका बताया जाता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ऐसे घरेलू मिश्रण सफेद बालों को स्थायी रूप से काला करने का वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित इलाज नहीं हैं। इनसे बालों पर अस्थायी रंग आ सकता है।

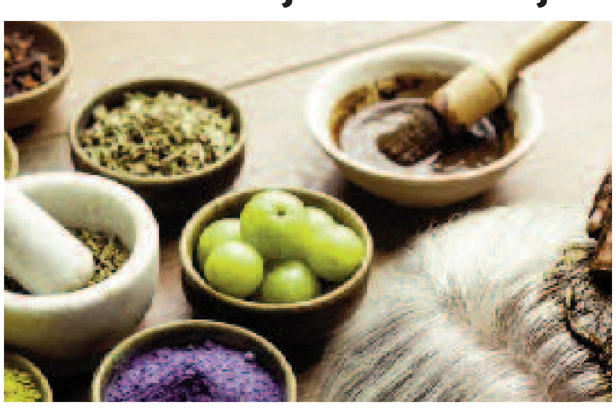

चाय पत्ती से कैसे तैयार करें हेयर डाई: इसके लिए 2 चम्मच चाय पत्ती, 1 बड़ा चम्मच कलौंजी, 1 बादाम और थोड़ी हल्दी की जरूरत होगी। सबसे पहले लोहे की कड़ाही में चाय पत्ती, कलौंजी और बादाम डालकर हल्का भूनें। इसके बाद आधा कप पानी में तैयार मिश्रण का करीब 1 चम्मच डालकर तब तक उबालें, जब तक पानी लगभग आधा न रह जाए। इसे छानकर ठंडा होने दें।

करी पत्ते और हल्दी से मिलेगा रंग: अब कड़ाही में बचे मिश्रण को धीमी आंच पर भूनें। इसमें करीब 1 चम्मच हल्दी और दो मुट्ठी सूखे या ताजे करी पत्ते डालकर अच्छी तरह भूनें। मिश्रण ठंडा होने के बाद इसे बारीक पीसकर छान लें। इससे एक पाउडर तैयार हो जाएगा।

अगर बालों पर हल्का ब्राउन शेड चाहिए तो इसमें थोड़ी मात्रा में कोको पाउडर मिलाया जा सकता है। इस्तेमाल से पहले पाउडर में थोड़ा नारियल तेल मिलाकर पेस्ट बना लें।

सफेद बालों पर ऐसे करें इस्तेमाल: तैयार मिश्रण को ब्रश की मदद से सफेद बालों पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद बालों को धो लें। हालांकि, पहली बार इस्तेमाल करने से पहले त्वचा के छोटे हिस्से पर पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि हल्दी, कलौंजी या अन्य सामग्री से कुछ लोगों को एलर्जी या जलन हो सकती है।

बालों की देखभाल में रखें ये सावधानी: बालों को काला करने के लिए घरेलू नुस्खों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय सफेद बालों के कारण पर भी ध्यान देना चाहिए। कम उम्र में बाल तेजी से सफेद हो रहे हों या अचानक बदलाव दिखाई दे तो डॉक्टर या त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। किसी भी घरेलू हेयर डाई को आंखों, कटे या संवेदनशील त्वचा पर लगाने से बचें।

दूध-मलाई वाले बेसन के लड्डू खाने का अलग ही है स्वाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेसन के लड्डू तो आपने कई बार खाए होंगे, लेकिन क्या आपने कभी इन्हें दूध और मलाई के साथ बनाकर ट्राई किया है? अगर नहीं, तो इस बार घर पर जरूर बनाएं। दूध और मलाई से तैयार ये लड्डू बेहद नरम, स्वादिष्ट और इतने मुलायम बनते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं। खास बात यह है कि इन्हें बनाना भी काफी आसान है।

रक्षाबंधन पर जरूर ट्राई करें

पहले बेसन को दें खुशबूदार स्वाद: सबसे पहले 2 कप मोटा या दानेदार बेसन लें। इसे बिना घी के धीमी आंच पर करीब 10 मिनट तक लगातार चलाते हुए भूनें। जब बेसन का रंग हल्का बदलने लगे और अच्छी खुशबू आने लगे तो इसे गैस से उतारकर अलग रख दें।

घर पर ऐसे तैयार करें बूरा: लड्डूओं के लिए 1 कप चीनी लें और इसमें आधा कप पानी डालकर धीमी आंच पर पकाएं। चाशनी को लगातार चलाते रहें। धीरे-धीरे यह सूखकर सफेद और दानेदार होने लगेगी। चाहें तो इसमें एक चम्मच घी डाल सकते हैं। तैयार बूरा ज्यादा दरदरा हो तो मिक्सी में हल्का चला लें।

दूध-मलाई से बनेगा लड्डूओं का असली स्वाद: अब भुने बेसन में आधा कप दूध और आधा कप मलाई मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। कड़ाही में 2-3 चम्मच घी डालें और बेसन का मिश्रण डालकर धीमी से मध्यम आंच पर भूनें। बीच-बीच में घी डालते रहें और करीब 15-20 मिनट तक अच्छी तरह भूनें। इस दौरान कुल करीब 1 कप घी इस्तेमाल करें।

ड्राई फ्रूट्स डालकर बनाएं स्वादिष्ट लड्डू: भुने हुए मिश्रण में कटे काजू-बादाम और इलायची पाउडर मिलाएं। मिश्रण हल्का ठंडा होने पर तैयार बूरा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब हाथों से गोल-गोल लड्डू बना लें। कुछ देर रखने के बाद ये अच्छी तरह सेट हो जाएंगे।

टिप: बेसन को धीमी आंच पर धैर्य से भूनना ही इन लड्डूओं के स्वाद और खुशबू का सबसे बड़ा राज है।

कम बजट में पहाड़ों की सैर का प्लान, इन खूबसूरत जगहों पर मिलेगा सुकून और रोमांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। घूमने का शौक हो, लेकिन बजट कम हो तो अक्सर लोग पहाड़ों की यात्रा का प्लान टाल देते हैं। उन्हें लगता है कि होटल, खाना और आने-जाने का खर्च काफी ज्यादा होगा। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। भारत में कई ऐसे खूबसूरत हिल स्टेशन हैं, जहां कम खर्च में भी प्रकृति की खूबसूरती, शांत वातावरण और रोमांचक अनुभव का आनंद लिया जा सकता है। अगर आप भी कम बजट में वादियों की सैर करना चाहते हैं, तो इन डेस्टिनेशन्स को अपनी ट्रैवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

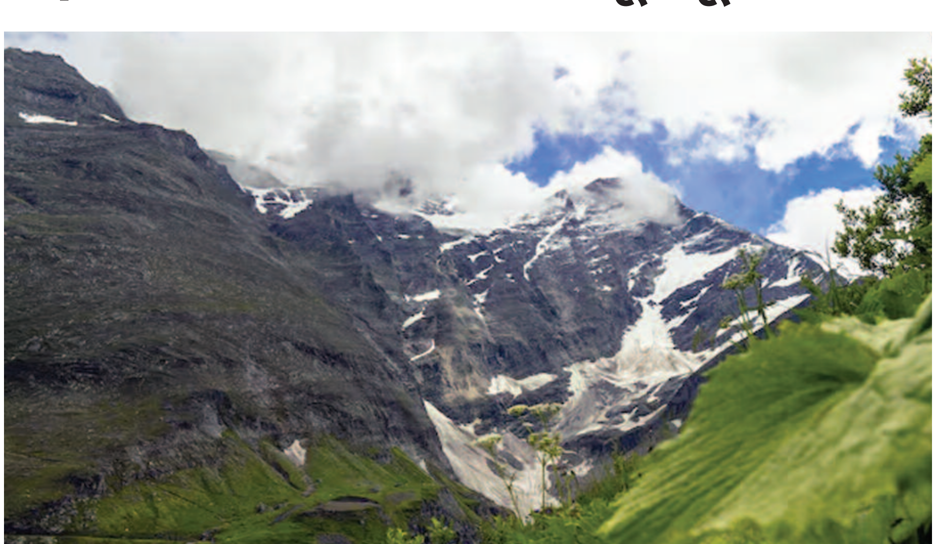

कसोल: पहाड़, नदी और सुकून का खूबसूरत मेल: हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल युवाओं और बैकपैकर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां पहाड़ों के बीच बहती पार्वती नदी और शांत वातावरण आपको शहर की भागदौड़ से दूर ले जाते हैं। दिल्ली और चंडीगढ़ से बस के जरिए कसोल पहुंचना आसान है। बजट यात्रियों के लिए यहां हॉस्टल और होमस्टे के कई विकल्प मिल जाते हैं।

कसोल की यात्रा के दौरान आप मणिकर्ण साहिब, तोष गांव और आसपास के खूबसूरत ट्रेकिंग रूट्स का आनंद ले सकते हैं। यहां के कैफे में अलग-अलग तरह के व्यंजन भी चखने को मिलते हैं।

मैक्लॉडगंज और धर्मकोट: प्रकृति के साथ आध्यात्मिक सुकून: हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मैक्लॉडगंज और धर्मकोट प्रकृति प्रेमियों के लिए शानदार जगहें हैं। धौलाधार की पहाड़ियों से घिरा यह इलाका अपनी तिब्बती संस्कृति, मठों, कैफे और ट्रैकिंग रूट्स के लिए जाना जाता है।

यहां घूमने के लिए महंगे साधनों की जरूरत नहीं पड़ती। कई जगहों पर पैदल घूमकर ही खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। भागसूनाग झरना, नामग्याल मठ और ट्रिउंड ट्रेक यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। बजट में यात्रा करने वालों के लिए धर्मकोट में हॉस्टल और होमस्टे भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

लैंसडाउन: भीड़ से दूर पहाड़ों की शांत दुनिया: अगर आप शोर-शराबे और भीड़ से दूर कुछ दिन सुकून से बिताना चाहते हैं, तो उत्तराखंड का लैंसडाउन आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। गढ़वाल की पहाड़ियों में बसा यह खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरियाली, साफ वातावरण और शांत माहौल के लिए जाना जाता है।

दिल्ली-एनसीआर से वीकेंड ट्रिप के लिए लैंसडाउन काफी सुविधाजनक है। यहां टिप-इन-टॉप से शानदार पहाड़ी नजारे देखने के अलावा भुल्ला ताल और संतोषी माता मंदिर भी घूम सकते हैं। बजट में यात्रा करने के लिए बस और साझा परिवहन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

चकराता: कम खर्च में ऑफबीट पहाड़ी अनुभव: उत्तराखंड का चकराता उन लोगों के लिए शानदार जगह है जो लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की भीड़ से अलग कुछ एक्सप्लोर करना चाहते हैं। देहरादून के पास स्थित यह हिल स्टेशन घने जंगलों, पहाड़ी रास्तों और प्राकृतिक झरनों के लिए जाना जाता है।

देहरादून से बस या शेयरिंग कैब के जरिए चकराता पहुंचा जा सकता है। यहां टाइगर फॉल, चीलमिरी नेक और आसपास के जंगल पर्यटकों को खासा आकर्षित करते हैं। शांत वातावरण और अपेक्षाकृत कम खर्च के कारण यह बजट ट्रैवलर्स के लिए अच्छा विकल्प है।

कम बजट में यात्रा के लिए अपनाएं ये तरीके: अगर खर्च कम रखना है तो पीक सीजन के बजाय ऑफ-सीजन में यात्रा करें। महंगे होटल की जगह हॉस्टल या होमस्टे चुनें और स्थानीय परिवहन का इस्तेमाल करें। इसके अलावा यात्रा से पहले बस, ट्रेन और ठहरने की कीमतों की तुलना कर लेने से भी काफी पैसे बचाए जा सकते हैं।

इस तरह थोड़ी सी प्लानिंग के साथ कम बजट में भी पहाड़ों की खूबसूरत वादियों, ठंडी हवाओं और प्राकृतिक नजारों का भरपूर आनंद लिया जा सकता है।

सुविचार

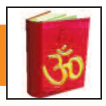

जीवन की असली खूबसूरती मंजिल नहीं, सफर को प्रेम और धैर्य से जीने में है।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	09:18-11:36 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	09:08-11:52 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:56 AM	चन्द्रोदय	01:06 PM
सूर्यास्त		6:48 PM	चंद्रास्त	11:30 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:56AM –12:48 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:20-05:08
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		01:59 PM: 03:35 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः मेष राशि वालों के लिए कल नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, आर्थिक स्थिति सुधरेगी और परिवार में सुखद माहौल बना रहेगा।

वृषभः वृषभ राशि वालों को कल निवेश में लाभ मिलेगा, रुके काम पूरे होंगे और मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः मिथुन राशि वालों के लिए कल यात्रा लाभदायक रहेगी, नौकरी में प्रगति होगी और योजनाओं पर काम करेंगे।

कर्कः कर्क राशि वालों को कल धन लाभ के अवसर मिलेंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और पारिवारिक विवाद बातचीत से सुलझेंगे।

सिंहः सिंह राशि वालों के लिए कल मेहनत रंग लाएगी, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्याः कन्या राशि वालों को कल व्यापार में लाभ मिलेगा, खर्च नियंत्रित रखें और मित्र से खबर मिल सकती है।

तुलाः तुला राशि वालों के लिए कल प्रेम संबंध मजबूत होंगे, कार्यक्षेत्र में सफलता और फैसले सोचकर लेना लाभदायक रहेगा।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि वालों को कल धन लाभ मिल सकता है, नौकरी में बदलाव के अवसर आएंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनुः धनु राशि वालों के लिए कल नई शुरुआत होगी, परिवार का साथ मिलेगा और यात्रा से अच्छा लाभ होगा।

मकरः मकर राशि वालों को कल कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा, आय के नए स्त्रोत बनेंगे और स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुंभः कुंभ राशि वालों के लिए कल निर्णय लेने का समय है, व्यापार में लाभ होगा और मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मीनः मीन राशि वालों को कल रुका धन वापस मिल सकता है, प्रेम जीवन सुखद रहेगा और विद्यार्थियों को सफलता।

यमुना में पूजा सामग्री बहाने पर अमेरिका की तरह लगे भारी जुर्माना

अमेरिका में पूजा सामग्री बहाई तो भरना पड़ेगा भारी जुर्माना

घाटों पर पूजा सामग्री संग्रह केंद्र बनाए जाएं

यमुना में पूजा सामग्री रोकने से प्रदूषण घटेगा

मूर्ति और राख के लिए बने वैकल्पिक इंतजाम किए जाएं

फूल-पत्तियों के निपटान में स्थानीय नियमों का पालन जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। अमेरिका में पूजा सामग्री के विसर्जन को लेकर अपनाए जा रहे पर्यावरणीय नियम अब मथुरा की यमुना के संदर्भ में भी चर्चा का विषय बन सकते हैं। अमेरिका में फूल-पत्तियों, मूर्तियों और हवन की राख को नदियों व झीलों में डालने के बजाय स्थानीय कचरा प्रबंधन नियमों के अनुसार निपटाने पर जोर दिया जाता है।

इसका उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक जलस्त्रोतों को प्रदूषण से बचाना है। मथुरा-वृंदावन में यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए घाटों पर पहुंचते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों के बाद फूल-मालाएं तथा अन्य सामग्री यमुना किनारे छोड़ने या पानी में प्रवाहित करने की परंपरा भी कई जगह दिखाई देती है। यमुना में कचरा, प्लास्टिक और पूजा सामग्री नहीं डालने की अपील को लेकर स्थानीय स्तर पर भी अभियान चलाए जाते रहे हैं।

अमेरिका का उदाहरण बताता है कि धार्मिक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चला जा सकता है। वहां कई क्षेत्रों में प्राकृतिक फूल-पत्तियों को अलग करके जैविक कचरे के रूप में निपटाने की व्यवस्था है, जबकि प्लास्टिक, तार और सजावटी सामग्री को अलग किया जाता है। मूर्तियों के लिए भी पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण या निर्धारित निस्तारण का विकल्प अपनाया जाता है। मथुरा में भी इसी तरह घाटों पर पूजा सामग्री संग्रह केंद्र बनाए जाएं तो श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सकती है। फूल-पत्तियों से खाद बनाने, प्लास्टिक और अन्य सामग्री को अलग करने तथा मूर्तियों के सम्मानजनक निस्तारण की व्यवस्था विकसित की जा सकती है। इससे आस्था भी बनी रहेगी और यमुना में अनावश्यक कचरा जाने से रोका जा सकेगा।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

यमुना की स्वच्छता को लेकर मथुरा-वृंदावन में लगातार चिंता सामने आती रही है। ऐसे में विदेशों की व्यवस्थाओं से सीख लेकर स्थानीय जरूरतों के अनुरूप समाधान तैयार करना बेहतर विकल्प हो सकता है। धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए यदि पूजा सामग्री के लिए अलग व्यवस्था विकसित की जाए तो श्रद्धालुओं को भी नदी में सामग्री प्रवाहित करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यमुना को पूजना और यमुना को स्वच्छ रखना-दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही आस्था के दो पहलू हैं।

रक्षाबंधन 28 अगस्त को, ग्रहण से जुड़ा भ्रम हुआ दूर

भद्रा के कारण 27 अगस्त को नहीं बंधेगी राखी

चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, सूतक भी नहीं लगेगा

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन की तारीख को लेकर चल रहा असमंजस अब दूर हो गया है। पंचांग के अनुसार इस वर्ष श्रावण पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे शुरू होकर 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक रहेगी। 27 अगस्त को भद्रा का प्रभाव होने के कारण इस दिन रक्षाबंधन मनाना उचित नहीं माना गया है। भद्रा रात 9:32 बजे समाप्त होगी, इसलिए राखी बांधने के लिए 27 अगस्त का दिन उपयुक्त नहीं है।

उदयातिथि के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधेंगी और भाई उनकी रक्षा का संकल्प लेते हुए उपहार देंगे। 28 अगस्त को साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लग रहा है। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ऐसे में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसका सूतक काल भी प्रभावी नहीं होगा और रक्षाबंधन के आयोजन में कोई बाधा नहीं आएगी। राखी बांधने का शुभ समय 28 अगस्त को सूर्योदय से शुरू माना गया है। हालांकि इस दिन राहुकाल सुबह 10:46 बजे से दोपहर 12:22 बजे तक रहेगा, इसलिए इस अवधि में राखी बांधने से बचने की सलाह दी गई है। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:56 बजे से दोपहर 12:48 बजे तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाई-बहन इस दिन शुभ समय देखकर पूरे विधि-विधान से रक्षाबंधन मना सकते हैं।

घर में धन रोकने के लिए अपनाएं यह वास्तु उपाय

साफ-सफाई से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की मान्यता

तिजोरी की दिशा और मुख्य द्वार रखें व्यवस्थित

यूनिक समय, मथुरा। कई लोगों का मानना है कि घर में पैसा नहीं टिकने के पीछे वास्तु संबंधी कारण भी हो सकते हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार घर में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने और कुछ विशेष उपाय करने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। हालांकि इन उपायों का आधार धार्मिक और वास्तु मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक प्रमाण नहीं। घर में नियमित पूजा-पाठ के साथ साफ-सफाई रखने को विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि स्वच्छ और व्यवस्थित घर में सकारात्मक ऊ र्जा बनी रहती है। शुक्रवार को माता लक्ष्मी की पूजा करने की भी परंपरा है। इससे घर में सुख, समृद्धि और संपन्नता आने की मान्यता है। वास्तु के अनुसार तिजोरी या धन रखने का स्थान भी महत्वपूर्ण माना जाता है। तिजोरी को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने और उसका मुंह उत्तर दिशा की ओर रखने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे धन का संचय बना रहता है। आर्थिक परेशानियों से राहत के लिए सुबह-शाम कपूर या धूप जलाने की परंपरा भी बताई गई है। वहीं मुख्य द्वार को साफ, रोशन और व्यवस्थित रखने की सलाह दी जाती है।

धन को आकर्षित करने के लिए पहने कछुए वाली अंगूठी

यूनिक समय, मथुरा। कछुए वाली अंगूठी इन दिनों ज्योतिषीय मान्यताओं के कारण काफी लोकप्रिय है। मान्यता है कि कछुआ स्थिरता, धैर्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में इसका संबंध भगवान विष्णु के कच्छप अवतार से भी जोड़ा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान भगवान विष्णु ने कच्छप रूप धारण कर मंदराचल पर्वत को आधार दिया था। इसी धार्मिक प्रतीक के कारण कई लोग आर्थिक स्थिरता और सुख-समृद्धि की कामना से कछुए के आकार वाली अंगूठी धारण करते हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार आर्थिक परेशानियों, मानसिक अस्थिरता या जीवन में लगातार उतार-चढ़ाव से जूझ रहे लोग इसे पहन सकते हैं।

कछुए वाली अंगूठी पहनने से पहले जान लें जरूरी नियम

ज्योतिष मान्यता में समृद्धि स्थिरता का प्रतीक माना गया है

हालांकि, इसे पहनने से पहले कुंडली और व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुसार किसी योग्य ज्योतिष विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

कछुए वाली अंगूठी सामान्यतः चांदी में बनाई जाती है। कुंडली में ग्रहों की स्थिति के अनुसार पंचधातु या अष्टधातु का विकल्प भी बताया जाता है। इसे दाहिने हाथ की तर्जनी या मध्यमा अंगुली में पहनने की मान्यता है। तर्जनी का संबंध बृहस्पति और मध्यमा का संबंध शनि से माना जाता है।

इस अंगूठी की दिशा को लेकर भी विशेष मान्यता है। पहनते समय कछुए का मुख अपनी ओर रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिषीय विश्वास के अनुसार इससे धन, सुख और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह व्यक्ति की ओर बना रहता है।

इसे पहनने के लिए शुक्रवार का दिन शुभ माना जाता है। सोमवार को भी धारण किया जा सकता है। पूर्णिमा के दिन शुक्रवार पड़ने पर इसे विशेष शुभ संयोग माना जाता है। पहनने से पहले अंगूठी को गंगाजल से साफ करके भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के समक्ष रखना चाहिए। इसके बाद धूप-दीप जलाकर पूजा तथा 'ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' और 'ॐ विष्णवे नमः' मंत्र का जाप करने की परंपरा है।

मान्यता के अनुसार अंगूठी को नियमित रूप से साफ रखना चाहिए और पहनने के बाद बार-बार उसकी दिशा नहीं बदलनी चाहिए। इसे उतारने की आवश्यकता पड़े तो धार्मिक विधि से सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी जाती है।

यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये बातें धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं, इनके प्रभाव का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सम्पादकीय

बीस लाख की बोली, फर्जी मुकदमे का पूरा कारोबार

फिल्मों में अपराधी नकली कागजात, हथियार और गवाहों का इंतजाम करते दिखते हैं। लेकिन यदि स्टिंग में सामने आए दावे सही हैं तो उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों ने अपराध की पटकथा को इतना व्यवस्थित कर लिया है कि लगता है मानो कोई निजी 'मुकदमा उद्योग' चल रहा हो। ग्राहक आए, पसंद का आरोप चुना, रकम तय हुई और फिर कानून की धाराएं जैसे किसी दुकान के मेन्यू से ऑर्डर की जा रही हों।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कथित गिरोह दुष्कर्म, पॉक्सो और मादक पदार्थ जैसे गंभीर कानूनों को भी कथित तौर पर सौदेबाजी का माध्यम बताता है। नाबालिग लड़की, मेडिकल रिपोर्ट, गवाह और थाने तक 'मैनेज' करने के दावे सामने आए हैं। यदि इन दावों की जांच में सच्चाई मिलती है तो यह केवल फर्जी मुकदमे का मामला नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की जड़ों में घुन लगाने की कोशिश है।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए कि जिस कानून का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को अपराध से सुरक्षा देना है, वही कानून यदि किसी गिरोह के लिए कमाई का साधन बन जाए तो असली पीड़ित कौन होगा? वह व्यक्ति तो होगा ही, जिसे झूठे मामले में फंसाया जाएगा, लेकिन इसके साथ उन वास्तविक महिलाओं और बच्चों की लड़ाई भी कमजोर होगी, जिनके साथ सच में अपराध हुआ है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

स्टिंग में कथित सरगना द्वारा 'रेप', 'पॉक्सो' और 'नारकोटिक्स' को विकल्प की तरह पेश करना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मानो न्याय नहीं, कोई ऑनलाइन खरीदारी हो–'पैसे के हिसाब से धारा चुनिए और मुकदमा घर तक पहुंचाइए।' व्यंग्य इसलिए भी जरूरी है क्योंकि मामला इतना गंभीर है कि सामान्य शब्द शायद इसकी भयावहता पूरी तरह व्यक्त ही न कर पाएं। सबसे बड़ा सवाल पुलिस व्यवस्था पर है। यदि किसी को वास्तव में भरोसा है कि किसी भी थाने में प्राथमिकी लिखवाई जा सकती है और मेडिकल रिपोर्ट तक प्रभावित कराई जा सकती है, तो जांच एजेंसियों को इस दावे की तह तक जाना होगा। केवल गिरोह के सदस्यों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी; यदि कहीं पुलिस, चिकित्सक या अन्य तंत्र की मिलीभगत प्रमाणित होती है तो वहां भी कठोर कार्रवाई जरूरी है। फर्जी मुकदमा किसी के जीवन, प्रतिष्ठा और परिवार को वर्षों पीछे धकेल सकता है। इसलिए कानून का सम्मान तभी बचेगा, जब असली अपराधी को सजा और निर्दोष को सुरक्षा–दोनों सुनिश्चित हों। स्टिंग ने एक भयावह तस्वीर दिखाई है। अब जिम्मेदारी जांच एजेंसियों की है कि तस्वीर सच है या सिर्फ अपराधियों की बड़ी–बड़ी बातें। अगर सच निकली, तो इस 'मुकदमा मंडी' पर ताला लगना ही चाहिए।

नजरिया

ऑपरेशन सिंदूर की शौर्यगाथा से पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित दो कड़ियों वाली डॉक्यूमेंट्री के सामने आने के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुए सैन्य टकराव की कहानी एक बार फिर चर्चा में है। खास बात यह है कि इस बार घटनाक्रम का बड़ा हिस्सा भारतीय सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारियों के बयानों के जरिए सामने आया है। यही वजह है कि पाकिस्तान की ओर से आई प्रतिक्रिया को केवल सामान्य विरोध नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान के सैन्य मीडिया विंग ने डॉक्यूमेंट्री को प्रचार और बॉलीवुड शैली की कहानी बताकर खारिज करने की कोशिश की है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस प्रस्तुति ने पाकिस्तान को इतना असहज क्यों किया?

दरअसल, किसी सैन्य संघर्ष की वास्तविक तस्वीर केवल युद्ध के मैदान में नहीं बनती, बल्कि उसके बाद सामने आने वाले दस्तावेज, सैन्य अधिकारियों के बयान और घटनाओं का क्रम भी उसकी दिशा तय करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में यही हो रहा है। डॉक्यूमेंट्री ने भारतीय सैन्य पक्ष की रणनीति, हथियारों की क्षमता और सैन्य निर्णय प्रक्रिया के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक की हैं। इससे पाकिस्तान के उस नैरेटिव पर सवाल खड़े होते हैं, जिसमें वह मई 2025 के संघर्ष को अपनी निर्णायक सफलता के रूप में प्रस्तुत करता रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम 10 मई की रात का बताया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक नितिन गोखले के अनुसार पाकिस्तान की ओर से दिल्ली की दिशा में एक तेज गति वाली मिसाइल दागी गई, जिसे हरियाणा के सिरसा के ऊपर भारतीय वायु रक्षा ने रोक दिया। यदि यह विवरण सही है, तो यह घटना भारतीय वायु रक्षा प्रणाली की तैयारियों और क्षमता को दर्शाती है। इसके बाद भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई तेज हुई। उस समय भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान भी पाकिस्तान की ओर से भारतीय सैन्य ठिकानों को मिसाइलों, ड्रोन और अन्य हथियारों से निशाना बनाने की कोशिश की जानकारी दे चुका था।

इसके बाद भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की। डॉक्यूमेंट्री में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों के इस्तेमाल और पाकिस्तान के कई हवाई अड्डों तथा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने का उल्लेख है। रफीकी, सुक्कुर, रहीम यार खान और नूर खान जैसे ठिकानों के साथ अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की बात सामने आई है। भारतीय पक्ष के अनुसार यह कार्रवाई व्यापक युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि सीमित और नियंत्रित सैन्य जवाब के रूप में की गई थी।

यहीं भारतीय रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू दिखाई देता है। आधुनिक युद्ध में केवल अधिक हथियार होना पर्याप्त नहीं है। असली शक्ति इस बात में है कि सही समय पर सही लक्ष्य पर कितनी सटीक कार्रवाई की जा सकती है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने इसी क्षमता का प्रदर्शन करने का दावा किया। एयर मार्शल अवधेश भारती के अनुसार उद्देश्य पाकिस्तान को यह संदेश देना था कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने में सक्षम है और लक्ष्य तथा समय का चुनाव स्वयं कर सकता है।

ब्रह्मोस मिसाइल इस पूरे अभियान की प्रतीक बनकर सामने आई। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार भारतीय हथियारों ने पाकिस्तान की सीमा के भीतर काफी दूर तक अपने लक्ष्यों को भेदा। ब्रह्मोस की तेज गति और सटीक मारक क्षमता ने भारतीय सैन्य तकनीक की ताकत को रेखांकित किया। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि ब्रह्मोस भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। किसी देश की सैन्य ताकत तब अधिक प्रभावशाली होती है, जब वह महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियों के लिए दूसरे देशों पर पूरी तरह निर्भर न हो। ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा बड़ा संदेश वायु रक्षा और आक्रामक क्षमता के संतुलन में छिपा है। संभावित मिसाइल हमले को रोकने वाली रक्षा प्रणाली और उसके बाद जवाबी कार्रवाई करने वाली मिसाइल शक्ति–दोनों ने मिलकर भारत की सैन्य रणनीति को मजबूती दी। बराक–8 जैसी प्रणाली से खतरे को रोकने और फिर सटीक जवाब देने की क्षमता बताती है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं पर सैनिकों की मौजूदगी तक सीमित नहीं रह गया है। अब तकनीक, सूचना, निगरानी और सटीक हथियार निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सबसे दिलचस्प पहलू संघर्ष विराम से पहले की परिस्थितियां हैं।

डॉक्यूमेंट्री के अनुसार भारतीय हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से संपर्क की कोशिशें तेज हुईं। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से संपर्क किया और इसके बाद भारत से बातचीत का रास्ता तलाशा गया। भारत ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार करने के बजाय पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को निर्धारित सैन्य संचार चैनल के माध्यम से सीधे संपर्क करने को कहा। अंततः दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और संघर्षविराम की दिशा में कदम बढ़े।

यही घटनाक्रम पाकिस्तान के वर्तमान दावे को सबसे अधिक चुनौती देता है। यदि पाकिस्तान का दावा है कि उसने भारत की कार्रवाई को पूरी तरह विफल कर दिया था, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि फिर संघर्ष रोकने की जरूरत इतनी जल्दी क्यों महसूस हुई? हालांकि इन सवालों के अंतिम उत्तर के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रमाण आवश्यक हैं, लेकिन उपलब्ध घटनाक्रम निश्चित रूप से पाकिस्तान के आधिकारिक नैरेटिव पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। पाकिस्तान की ओर से डॉक्यूमेंट्री को प्रचार बताना उसकी रणनीतिक प्रतिक्रिया हो सकती है। किसी भी सैन्य संघर्ष के बाद दोनों पक्ष अपनी जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत करते हैं। इसलिए भारत को भी केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद के आधार पर नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों के आधार पर अपनी उपलब्धियों को सामने रखना चाहिए। सैन्य सफलता का सबसे मजबूत प्रमाण अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि विश्वसनीय दस्तावेज और स्वतंत्र पुष्टि होती है।

ऑपरेशन सिंदूर का वास्तविक महत्व इसी बिंदु पर है। भारत ने यदि अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया, तो उसके साथ संयम भी बनाए रखा। सीमित कार्रवाई और उसके बाद संघर्षविराम यह संकेत देता है कि भारत व्यापक युद्ध की कीमत और जोखिम को समझते हुए भी अपनी सुरक्षा से जुड़े मामलों में कठोर जवाब देने की क्षमता रखता है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं दिखना चाहता, बल्कि वह जवाब की दिशा, समय और स्तर तय करने की क्षमता का संदेश दे रहा है। स्वदेशी हथियार, आधुनिक वायु रक्षा और सटीक प्रहार की क्षमता ने भारत की सैन्य रणनीति को नया आत्मविश्वास दिया है।

इसलिए, ऑपरेशन सिंदूर की कहानी को केवल भारत–पाकिस्तान की सैन्य भिड़ंत के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह भारत की बदलती रक्षा नीति, स्वदेशी सैन्य तकनीक और रणनीतिक आत्मविश्वास की कहानी भी है। पाकिस्तान इसे चाहे प्रचार कहे या अपनी उपलब्धियों का दावा करे, लेकिन भारतीय सैन्य नेतृत्व के सामने आए विवरण ने मई 2025 के घटनाक्रम पर नई बहस जरूर खड़ी कर दी है।

अंततः भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि संयम कमजोरी नहीं और शांति की इच्छा आत्मसमर्पण नहीं है। मजबूत राष्ट्र वही है जो युद्ध से बचने की कोशिश भी करे और आवश्यकता पड़ने पर अपनी सुरक्षा के लिए निर्णायक जवाब देने की क्षमता भी रखे। ऑपरेशन सिंदूर इसी संतुलन का उदाहरण बनकर सामने आया है। पाकिस्तान की आधी रात की प्रतिक्रिया से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने अपनी सैन्य क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक इच्छाशक्ति का संदेश स्पष्ट रूप से दुनिया तक पहुंचाया है।

विचार विंडो

मुफ्त यूपीआई का मुनाफा आखिर किसकी जेब भरता

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की डिजिटल क्रांति की सबसे चमकदार कहानी आज यूपीआई है। चाय की दुकान से लेकर बड़े मॉल तक भुगतान का तरीका बदल चुका है। जेब में नकदी न हो, कार्ड न हो, बैंक की लंबी कतार में खड़े होने का धैर्य न हो–मोबाइल निकालिए और भुगतान कर दीजिए। सुविधा इतनी बढ़ गई है कि अब यूपीआई को मुफ्त समझना हमारी आदत बन चुकी है। लेकिन असली सवाल यही है कि जब उपभोक्ता से शुल्क नहीं लिया जा रहा, तो इस पूरी व्यवस्था से मुनाफा आखिर कौन कमा रहा है?

यूपीआई की सफलता पर गर्व होना स्वाभाविक है। पिछले एक दशक में इस व्यवस्था ने भारत के डिजिटल भुगतान का चेहरा बदल दिया है। रियल टाइम भुगतान के क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी दुनिया में बेहद प्रभावशाली हो चुकी है और कई देशों ने भारतीय डिजिटल भुगतान मॉडल में रुचि दिखाई है। यह उपलब्धि सामान्य नहीं है। लेकिन किसी भी बड़ी सफलता के साथ यह पूछना भी जरूरी है कि उसकी आर्थिक कीमत कौन चुका रहा है और उसका लाभ किसे मिल रहा है।

मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर हालिया बहस इसी सवाल को सामने लाती है। यदि बड़े कारोबारियों से शुल्क लेने का रास्ता खुलता है तो इसका तर्क साइबर सुरक्षा, डिजिटल ढांचे और भुगतान व्यवस्था को मजबूत करना हो सकता है। तर्क सुनने में उचित है, लेकिन सवाल यह है कि शुल्क की व्यवस्था कितनी पारदर्शी होगी और इसका वास्तविक लाभ किसे मिलेगा।

सबसे बड़ी चिंता यूपीआई के स्वामित्व और बाजार हिस्सेदारी को लेकर है। यदि भीम जैसे भारतीय सार्वजनिक विकल्प की हिस्सेदारी बेहद कम रह जाती है और दूसरी ओर विदेशी कंपनियों से जुड़े मंच बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लेते हैं, तो यह केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का मामला नहीं रह जाता। यह डिजिटल संप्रभुता का सवाल बन जाता है। डिजिटल भुगतान केवल पैसे के लेनदेन का माध्यम नहीं है। इसके साथ उपभोक्ता के व्यवहार की विशाल जानकारी भी जुड़ी होती है। व्यक्ति कहां खरीदारी करता है, कितना खर्च करता है, किन सेवाओं का उपयोग करता है, किस समय भुगतान करता है और उसकी आर्थिक आदतें कैसी हैं–इन सबका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होता है। यही डेटा आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बेहद मूल्यवान संपत्ति है। इसलिए डेटा सुरक्षा को यूपीआई की सफलता के केंद्र में रखना होगा। यदि भुगतान व्यवस्था के माध्यम से एकत्रित जानकारी का इस्तेमाल विज्ञापन, ऋण, बीमा, ऑनलाइन खरीदारी या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में होता है, तो उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसका डेटा कहां जा रहा है और किस उद्देश्य से इस्तेमाल हो रहा है।

यहां एक और विरोधाभास दिखाई देता है। सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को नकदी से डिजिटल दिशा में ले जा रही है, लेकिन उसी समय बैंकिंग क्षेत्र के सामने यह चुनौती भी है कि डिजिटल भुगतान का बढ़ता कारोबार बैंकों के लिए पर्याप्त आर्थिक लाभ पैदा कर रहा है या नहीं। यदि भुगतान का बुनियादी ढांचा बैंकों ने तैयार किया, जोखिम और नियामकीय जिम्मेदारी भी उन्हीं की रही, लेकिन मुनाफे का बड़ा हिस्सा निजी और विदेशी कंपनियों के हिस्से में जाता रहा तो इस मॉडल की समीक्षा जरूरी है। एमडीआर को लेकर भी यही सावधानी आवश्यक है। यदि शुल्क लगाया जाता है तो उसका ढांचा ऐसा होना चाहिए जिसमें छोटे दुकानदार और आम उपभोक्ता प्रभावित न हों। बड़े डिजिटल कारोबारियों से उचित शुल्क लेकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल साइबर सुरक्षा, नेटवर्क विस्तार और डिजिटल बुनियादी ढांचे में किया जा सकता है। लेकिन शुल्क का लाभ कुछ बड़ी कंपनियों तक सीमित रह गया तो यूपीआई का मूल उद्देश्य कमजोर होगा। भारतीय रुपे कार्ड को लेकर भी गंभीर विचार जरूरी है। डिजिटल भुगतान के बाजार में विदेशी भुगतान कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए चुनौती बन सकता है। भुगतान प्रणाली किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। जिस देश के नागरिकों के रोजमर्रा के अरबों रुपये के लेनदेन का डिजिटल ढांचा कुछ विदेशी कंपनियों पर अत्यधिक निर्भर हो जाए, वह स्थिति केवल बाजार की सफलता नहीं मानी जा सकती।

इसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल ने नई संभावनाओं के साथ नए खतरे भी पैदा किए हैं। यूपीआई से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करके वित्तीय कंपनियां उपभोक्ताओं की जरूरत और व्यवहार का अनुमान लगा सकती हैं। इससे बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं, लेकिन यही तकनीक गलत हाथों में जाए तो आर्थिक निजता और साइबर सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। साइबर अपराधों का बढ़ता स्वरूप इस चिंता को और गंभीर बनाता है। डिजिटल भुगतान जितना आसान हुआ है, धोखाधड़ी के तरीके भी उतने ही जटिल हुए हैं। इसलिए यूपीआई को केवल तेज और सुविधाजनक बनाना पर्याप्त नहीं है। उसे सुरक्षित बनाना उससे भी बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भारत की अपनी डिजिटल भुगतान व्यवस्था का भविष्य क्या होगा। भीम जैसे भारतीय मंच की कमजोर हिस्सेदारी पर केवल राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि आर्थिक और तकनीकी समीक्षा भी होनी चाहिए। यदि विदेशी कंपनियां बाजार में सफल हैं तो उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन भारतीय संस्थानों को ऐसी नीतिगत और तकनीकी मजबूती भी दी जानी चाहिए कि डिजिटल भुगतान का लाभ देश की अर्थव्यवस्था और भारतीय वित्तीय संस्थानों को मिले। यूपीआई को मुफ्त बनाए रखना निश्चित रूप से उपभोक्ता हित में है, लेकिन मुफ्त का अर्थ यह नहीं होना चाहिए, कि इसकी कीमत भारतीय डेटा, कमजोर बैंकिंग आय या डिजिटल संप्रभुता के रूप में चुकाई जाए। डिजिटल क्रांति तभी सफल मानी जाएगी, जब सुविधा के साथ सुरक्षा, नवाचार के साथ निजता और बाजार की स्वतंत्रता के साथ राष्ट्रीय हित भी सुरक्षित रहे।

यूपीआई भारत की उपलब्धि है और इसे किसी विदेशी कंपनी की सफलता की कहानी बनने से बचाना भी उतना ही जरूरी है। सवाल केवल यह नहीं कि यूपीआई से पैसा कौन कमा रहा है; सवाल यह है कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था से सबसे बड़ा और टिकाऊ लाभ आखिर भारत को कितना मिल रहा है। यही वह सवाल है, जिस पर अब सरकार, नियामक, बैंक और जनता–सभी को गंभीरता से विचार करना होगा।

गॉल टेस्ट जीतकर भी पांचवें स्थान पर रही टीम इंडिया

बांग्लादेश बेहतर प्रतिशत से भारत से आगे

ऑस्ट्रेलिया को हरा कर बांग्लादेश ने बढ़ाई बढ़त

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत दर्ज करने के बावजूद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में अपनी स्थिति नहीं सुधार सकी। शुभमन गिल की कप्तानी में मिली इस जीत के बाद भी टीम इंडिया पांचवें स्थान पर बनी हुई है। भारत से आगे ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें हैं।

भारत ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 मुकाबले खेले हैं। इनमें पांच जीत, चार हार और एक मैच ड्रॉ रहा है। भारतीय टीम के खाते में 64 अंक हैं, लेकिन उसका जीत प्रतिशत 53.33 है। इसी वजह से अधिक अंक होने के बावजूद भारत बांग्लादेश से पीछे है।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घरेलू मैदान पर हराकर तालिका में बड़ी छलांग लगाई थी।

पांच मुकाबलों में तीन जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ उसके 40 अंक हैं। उसका जीत प्रतिशत 66.67 है, जो भारत के 53.33 प्रतिशत से काफी बेहतर है। डब्ल्यूटीसी में स्थान तय करने में जीत प्रतिशत अहम भूमिका निभाता है।

गॉल में भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने शतक लगाया, जबकि केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। भारत को 178 रन की बढ़त मिली।

दूसरी पारी में भारतीय टीम 193 रन पर आउट हुई और श्रीलंका के सामने 372 रन का लक्ष्य रखा। मेजबान टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 206 रन ही बना सकी। भारत ने 165 रन से मुकाबला अपने नाम कर सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की।

जीत ने भारतीय टीम के अभियान को मजबूती जरूर दी है, लेकिन अंक तालिका में आगे बढ़ने के लिए अब लगातार जीत के साथ बेहतर जीत प्रतिशत बनाए रखना भी जरूरी होगा।

प्रज्ञानानंदा फाइनल में पहुंचे अब खिताब पर नजरें

एमवीएल को हराकर सो के साथ शीर्ष पहुंचे

आखिरी बाजी में खिताब का फैसला होगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप के आठवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर–लाग्रेव को 27 चालों में हराकर ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में जगह पक्की कर ली।

काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंदा ने रुई लोपेज ओपनिंग से शुरुआत की। मुकाबला आगे बढ़ने के साथ उन्होंने स्थिति पर पकड़ मजबूत की और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने हार स्वीकार कर ली।

इस जीत से प्रज्ञानानंदा के पांच अंक हो गए। वह अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। सो ने आठवें दौर में सैम सेवियन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला। अब प्रतियोगिता में केवल एक दौर बाकी है, जिससे खिताब की दौड़ बेहद रोमांचक हो गई है। प्रज्ञानानंदा और सो के पांच–पांच अंक हैं, जबकि जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5 अंक के साथ उनसे ज्यादा दूर नहीं हैं। फैबियानो कारुआना और एमवीएल चार अंक पर हैं। इसलिए अंतिम दौर में एक जीत पूरी तस्वीर बदल सकती है।

प्रज्ञानानंदा की लगातार मजबूत होती स्थिति भारतीय शतरंज के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। अब उनकी नजर टूर्नामेंट जीतने के साथ ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में शानदार प्रदर्शन पर होगी। अंतिम दौर में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच मुकाबले पर सभी की निगाहें रहेंगी।

गोविंदा विवाद के बीच फैमिली कोर्ट पहुंची सुनीता

बेटे यशवर्धन संग पहुंचने से चर्चाएं फिर तेज

दोनों के बयानों से रिश्ते पर बढ़ी अटकलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे विवाद के बीच सुनीता को बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट के बाहर देखा गया। वह अपने बेटे यशवर्धन आहूजा और वकील के साथ वहां पहुंची थीं। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है।

कोर्ट से बाहर निकलते समय पैपराजी ने सुनीता से वहां आने की वजह पूछी तो उन्होंने गंभीर जवाब देने के बजाय मजाकिया अंदाज में कहा, 'बर्थडे मनाने आए हैं।' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह वास्तव में किस मामले के सिलसिले में कोर्ट पहुंची थीं। उनके बेटे यशवर्धन भी मीडिया के सवालों से नाराज नजर आए। पिछले कुछ समय से सुनीता सार्वजनिक मंचों पर गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर बयान देती रही हैं। उन्होंने अभिनेता के कथित संबंधों पर भी टिप्पणी की थी और हाल में उन्हें 'शुगर डैडी' कहकर तंज कसा था।

गोविंदा ने भी सुनीता के सार्वजनिक बयानों पर नाराजगी जताते हुए निजी मामलों को सार्वजनिक नहीं करने की सलाह दी थी। दोनों ने वर्ष 1987 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं। फिलहाल सुनीता के कोर्ट पहुंचने की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई है।

पंत ने रचा इतिहास,टेस्ट में जड़े सौ छक्के

गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड तोड़कर बने सबसे तेज बल्लेबाज

चांडीमल चोटिल हुए पसिंदु ने संभाली बल्लेबाजी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक सबसे कम गेंदों में पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। पंत ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

पंत ने केवल 89 पारियों और 4,918 गेंदों में टेस्ट के 100 छक्के पूरे किए। गिलक्रिस्ट ने यह उपलब्धि 130 पारियों और 6,578 गेंदों में हासिल की थी। पंत इस मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ शीर्ष पर हैं।

भारतीय बल्लेबाजों में पंत अब सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग के 91 और रोहित शर्मा के 88 छक्कों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया है। वह टेस्ट क्रिकेट में छक्कों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं।

मैच के चौथे दिन श्रीलंका की फील्डिंग के दौरान दिनेश चांडीमल चोटिल हो गए। उनका सिर और कंधा जमीन से टकराया। चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें आगे खेलने के लिए फिट नहीं माना गया। इसके बाद उनकी जगह पसिंदु सोरियाबोरियान को कन्कशन विकल्प के तौर पर बल्लेबाजी का मौका मिला। हालांकि, पसिंदु पहली ही गेंद पर आउट हो गए।

कन्कशन नियम के तहत सिर पर चोट लगने के कारण खिलाड़ी आगे खेलने में असमर्थ हो तो समान भूमिका वाले खिलाड़ी को उसकी जगह उतारा जा सकता है। यह व्यवस्था खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

इससे पहले रवींद्र जडेजा की गेंद पर धनंजय डी सिल्वा का कैच केएल राहुल ने पकड़ा था। विकेट मिलने पर भारतीय टीम ने जश्न भी मनाया, लेकिन अंपायर ने गेंद को नो–बॉल करार दिया। रीप्ले में जडेजा का पैर बॉलिंग क्रीज से बाहर पाया गया।

भारत ने श्रीलंका के सामने 372 रन का लक्ष्य रखा है। जवाब में मेजबान टीम चौथे दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 84 रन बना चुकी थी। खराब रोशनी के कारण खेल समय से पहले रोकना पड़ा।

मोहनलाल ने सात फिल्मों का किया बड़ा ऐलान

प्रियदर्शन समेत सात दिग्गज निर्देशकों संग बनाएंगे फिल्में

आगामी फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल ने अपने प्रशंसकों को बड़ी खुशखबरी दी है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी सात फिल्मों का ऐलान किया है। इन परियोजनाओं के लिए वह मलयालम सिनेमा के कई चर्चित निर्देशकों के साथ काम करेंगे। मोहनलाल के इस ऐलान के बाद उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है।

अभिनेता ने बताया कि वह विष्णु मोहन, अनूप सत्यन, प्रियदर्शन, दिलेश पोथन, सत्यन अन्थिकाड, जूड एंथनी जोसेफ और जीतू जोसेफ के निर्देशन में काम करेंगे। उन्होंने इन फिल्मों को दिलचस्प कहानियों और रोमांचक सफर से जुड़ा बताया है।

मोहनलाल के आगामी प्रोजेक्ट्स में तरुण मूर्ति की निर्देशित 'अतिमनोहरम' भी शामिल है। फिल्म में वह पुलिस सब–इंस्पेक्टर लौलाजन की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में अधिकारी की निजी और पेशेवर जिंदगी में आने वाले बड़े बदलावों को दिखाया जाएगा।

फिल्म में मोहनलाल के साथ जगदीश और मीरा जैस्मीन अहम भूमिकाओं में हैं। रतीश रवि ने कहानी लिखी है। यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' से होने की उम्मीद है।

कंगना ने भी ईशा का खुलकर किया समर्थन

सोशल मीडिया विवाद के बाद सामने आया बयान

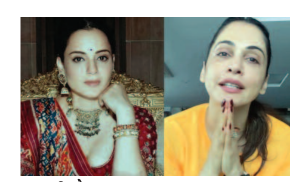

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर खुद को 'अंधभक्त' बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी यह भावना किसी राजनीतिक दल के प्रति नहीं, बल्कि देश और उसकी तरक्की के प्रति है। अभिनेत्री ने कहा कि भारत उनके लिए घर है और उन्हें अपने देश पर गर्व है।

ईशा ने वीडियो में कहा कि देश से प्रेम करने का मतलब केवल उसकी प्रशंसा करना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर सरकार और उसकी नीतियों पर सवाल उठाना भी है। उन्होंने लोगों से यह सोचने की अपील की कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। उनके मुताबिक, उन्हें भक्त, अंधभक्त या राष्ट्रवादी कहे जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह खुद को भारतीय मानती हैं।

ईशा के वीडियो पर कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया देते हुए उनका समर्थन किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वीडियो साझा किया और अपने जीवन के कुछ अनुभवों का जिक्र किया। कंगना ने बताया कि उन्होंने बचपन में गलत व्यवहार का विरोध किया था और सामाजिक मुद्दों पर भी अपनी आवाज उठाई।

ईशा ने यह वीडियो ऐसे समय साझा किया, जब सोशल मीडिया पर कुछ लोग उनकी चुप्पी को लेकर सवाल उठा रहे थे। अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा कि देशप्रेम किसी राजनीतिक विचारधारा तक सीमित नहीं है। उन्होंने लोगों से अपने देश का सम्मान करने और उसके विकास में योगदान देने की अपील की।

मल्लिका की ड्रेस पर शालिनी ने उठाए सवाल

वायरल क्लिप पर दर्शकों की नजरें टिकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'द ट्रेटर्स 2' में मल्लिका शेरावत और शालिनी पस्सी के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। वायरल क्लिप में मल्लिका अपनी हरे रंग की ड्रेस को मशहूर लग्जरी ब्रांड डोल्चे गबाना की बताती नजर आती हैं। वह साथी प्रतिभागियों से ड्रेस की तारीफ भी पूछती हैं। इसी दौरान शालिनी पस्सी ने ड्रेस को लेकर दावा किया कि वह असली ब्रांड की नहीं है। उन्होंने कहा कि मल्लिका की ड्रेस पर लगा टैग देखने के बाद उन्हें उसके नकली होने का अंदाजा हुआ। शालिनी ने यह भी कहा कि वह लंबे समय से इस ब्रांड के कपड़े पहनती हैं, इसलिए असली और नकली डिजाइन पहचानने का अनुभव रखती हैं। शो के इस वीडियो ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। हालांकि, ड्रेस के नकली होने की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

चाय बनाते समय सिलेंडर फटा,घर की दीवारें गिरीं

यूनिक समय, आगरा। थाना एकता क्षेत्र के खेड़ा पचगाई गांव में बुधवार सुबह चाय बनाते समय गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान की दीवारें और दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे। हादसे के समय घर में मौजूद लोग किसी तरह बाहर निकल आए। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली।

खेड़ा पचगाई निवासी उदयभान के घर सुबह करीब सात बजे उनकी बेटी चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। उसने गैस चूल्हे पर चाय रखी। इसी दौरान सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा। कुछ ही देर में सिलेंडर ने आग पकड़ ली। परिवार के लोगों ने जलते सिलेंडर को घर से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह रास्ते में अटक गया। इसके बाद अचानक जोरदार धमाका हो गया।

तेज धमाके से इलाके में मची अफरातफरी लोग भागे

गैस रिसाव से हुआ हादसा सभी लोग सुरक्षित

दमकल ने पहुंचकर आग पर पाया तुरंत काबू किया

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। मकान की कई दीवारें और दरवाजे क्षतिग्रस्त होकर दूर जा गिरे। घर के अंदर मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की जांच की और क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। हादसे में घर का सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने सिलेंडर के अवशेष जांच के लिए सुरक्षित कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार विस्तृत जांच के बाद हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी। घटना के बाद ग्रामीणों ने रसोई में गैस सिलेंडर इस्तेमाल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

छह साल बाद आया औरैया दोहरे हत्याकांड का फैसला

सपा के पूर्व एमएलसी सहित दो भाइयों समेत दस को उम्रकैद

यूनिक समय, औरैया। जिले के चर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में एमपी–एमएलए न्यायालय ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाया। न्यायालय के न्यायाधीश विनय प्रकाश ने पूर्व सपा विधान परिषद सदस्य कमलेश पाठक, उनके भाई संतोष पाठक और रामू पाठक समेत सभी 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने सभी को हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी माना था।

इस मामले में कमलेश पाठक, संतोष पाठक, रामू पाठक, कुलदीप, विकल्प, आशीष दुबे, लला चौबे, शिवम अवस्थी, अंगरक्षक अवनीश

प्रताप सिंह और भागवत आचार्य राजेश शुक्ला दोषी पाए गए हैं। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने पहले सभी आरोपियों को दोषी करार दिया था। इसके बाद बुधवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई।

पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक समेत सभी दोषी पाए

हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दोष सिद्ध हुए

दोहरे हत्याकांड को लेकर करीब छह वर्षों से कानूनी प्रक्रिया चल रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पुलिस और प्रांतीय सशस्त्र बल के जवानों को तैनात किया गया था।

आरोपियों को सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदालत में पेश किया गया। दोपहर बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया। सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा मिलने के बाद मामले में लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण चरण का समापन हुआ।

अदालत के फैसले के दौरान न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पहले से मजबूत कर दी थी। मामले में दोषियों को मिली सजा के बाद अब फैसले से जुड़े अन्य कानूनी पहलुओं की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े दस ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

रामपुर समेत सहारनपुर और दिल्ली में भी कार्रवाई जारी

अखिलेश यादव ने कार्रवाई पर सरकार को घेरा

यूनिक समय, रामपुर। सपा नेता आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय और ट्रस्ट के दस ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार सुबह छापेमारी की। रामपुर में सुबह करीब सात बजे छह वाहनों से पहुंचे 15 अधिकारियों की टीम विश्वविद्यालय परिसर में दाखिल हुई और दस्तावेजों की जांच शुरू की। परिसर के बाहर सुरक्षा के लिए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। छापेमारी के दौरान विश्वविद्यालय में कक्षाएं भी संचालित होती रहीं। रामपुर के अलावा सहारनपुर और दिल्ली में भी जांच चल रही है। सहारनपुर में जौहर ट्रस्ट से जुड़े लेखाकार दीपक गुप्ता के कार्यालय और आवास पर भी टीम पहुंची। सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रहा है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि सरकारी ठेकों से प्राप्त धन कथित तौर पर जौहर विश्वविद्यालय और उससे जुड़े ट्रस्ट तक पहुंचाया गया। इस धन के इस्तेमाल से विश्वविद्यालय की संपत्तियां बनाने और अन्य कार्य कराने के आरोपों की जांच की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धन किन व्यक्तियों और कंपनियों के माध्यम से ट्रस्ट तक पहुंचा।

विश्वविद्यालय से जुड़े मामलों को लेकर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। जुलाई 2019 में प्रवर्तन निदेशालय ने यहां तलाशी लेकर दस्तावेज जब्त किए थे। सितंबर 2023 में आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने आजम खान के आवास समेत विश्वविद्यालय से जुड़े कई ठिकानों पर कार्रवाई की थी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने छापेमारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कई अन्य कथित भ्रष्टाचार के मामलों में जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर रही हैं। पूर्व सांसद एसटी हसन और सपा सांसद राजीव राय ने भी कार्रवाई को राजनीतिक बताते हुए सरकार पर सवाल उठाए।

दस लाख में तय हुई हत्या,वकील ने रची साजिश

यूनिक समय, बिजनौर। अनिल कुमार सोती हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या की साजिश अनिल के भतीजे गौरव के वकील राजनारायण ने रची थी। उसने अपनी सहायक निशा उर्फ अंजुम को हत्या की जिम्मेदारी दी थी। मुख्य आरोपी वकील फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

पुलिस के मुताबिक, जमीन के बंटवारे में देरी से गौरव अपने वकील से नाराज था और मामला दूसरे अधिवक्ता को देने की बात कह रहा था। इससे वकील को जमीन की खरीद–फरोख्त से मिलने वाला कमीशन हाथ से निकलने का डर था। इसी कारण उसने अनिल की हत्या की साजिश रची।

भतीजे के वकील ने सहायक को दी हत्या की सुपारी

सीसीटीवी से सुराग मिला, चार आरोपी पुलिस गिरफ्त में

दस लाख में सौदा, तीन लाख रुपये अग्रिम दिए

पुलिस के अनुसार, वकील ने निशा से हत्या के लिए दस लाख रुपये में सौदा तय किया और तीन लाख रुपये अग्रिम दिए। निशा ने अपनी बहन हिना, भाई अलीमुद्दीन और उसके दोस्त सुभाष को योजना में शामिल किया। चारों ने अनिल के घर कई बार जाकर पहचान बनाई। छह अगस्त को चारों अनिल के घर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, तीन लोग बाहर निगरानी करते रहे, जबकि निशा ने अंदर जाकर काले रंग के नाड़े से अनिल का गला घोंट दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के खुलासे में सीसीटीवी चित्रण अहम साबित हुआ। चित्रण में दो महिलाएं बाग से निकलकर ई–रिक्शा में बैठती दिखाई दीं। इसके बाद पुलिस ने अलग–अलग स्थानों के चित्रण खंगालकर आरोपियों तक पहुंच बनाई।

उत्तर प्रदेश में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने

प्रयागराज में घरों तक पहुंचा पानी, जनजीवन प्रभावित

वाराणसी में घाट डूबे, गोंडा में बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बिजनौर में गंगा का पानी राज्य मार्ग पर बह रहा है। सड़क पर करीब दो फीट पानी भरने से वाहन चालकों को ट्रैक्टर–ट्रॉली की मदद लेनी पड़ रही है। प्रयागराज में तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण करेली समेत कई इलाकों में घरों के भीतर पानी भर गया है। लोग घरों की ऊपरी मंजिल और छतों पर रहने को मजबूर हैं। रामबाग रेलवे स्टेशन के कई प्लेटफार्म भी जलभराव से प्रभावित हुए हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाटों के किनारे बने कई मंदिरों में पानी घुस गया है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हैं। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती छत पर कराई जा रही है। गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पांच गांव बाढ़ की चपेट में हैं। मवेशियों के लिए लाए गए सूखे भूसे को लेने के दौरान विवाद की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में भूसा बांटा गया। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। 20 और 21 अगस्त को भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

घर की खोदाई में मिले 29 पुराने तोप के गोले

यूनिक समय, अमेठी। जिले के मुसाफिरखाना क्षेत्र के भनौली गांव में घर निर्माण के लिए पानी की टंकी की खोदाई के दौरान मिले 29 धातु के गोलों ने कौतूहल बढ़ा दिया है। मंगलवार को बरामद इन गोलों की बुधवार को पुरातत्व विभाग की टीम ने जांच की। सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने प्रथम दृष्टया इन्हें तोप के गोले बताया है। उन्होंने इनके करीब 70 से 80 वर्ष पुराने होने की संभावना जताई है।

डॉ. मनोज कुमार ने मौके पर पहुंचकर गोलों की बनावट और आकार का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक गोले की परिधि करीब 60 सेंटीमीटर और ऊंचाई लगभग 20 सेंटीमीटर है। इनके ऊपरी हिस्से

में बत्ती लगाने के लिए छेद और हरे रंग की परत दिखाई दे रही है। इन विशेषताओं के आधार पर इन्हें प्रथम दृष्टया तोप के गोले माना गया है।

अधिकारी ने संभावना जताई कि इन गोलों को किसी अन्य स्थान से लाकर निष्क्रिय करने के उद्देश्य से जमीन में दबाया गया होगा। हालांकि इन्हें कहां से लाया गया और किस समय यहां दबाया गया, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है। विस्तृत जांच के बाद ही इनके निर्माण, उपयोग और इतिहास के बारे में स्थिति साफ हो सकेगी। बरामदगी के बाद पुलिस और तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची थी। अधिकारियों ने गोलों को अपने कब्जे में लेकर घटनास्थल को सील कर दिया और सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया। बुधवार को पुरातत्व विभाग की जांच के दौरान भी

पुरातत्व विभाग ने 70 से 80 वर्ष पुराने बताए

निष्क्रिय करने के लिए जमीन में दबाने का अनुमान

पुरातत्व अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर की जांच

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

अब विस्तृत जांच के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि ये गोले किस काल के हैं और इन्हें यहां जमीन के नीचे दबाने की वास्तविक वजह क्या थी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

परीक्षा व्यवस्था में स्थायी सुधार जरूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था को केवल सुरक्षा इंतजामों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसके लिए स्थायी और मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार करना जरूरी है।

अदालत ने एनटीए में महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियों के बारे में जानकारी मांगी। इसके अलावा सुरक्षित कार्यालय, साइबर सुरक्षा, गोपनीय बुनियादी ढांचे, स्वतंत्र डेटाबेस और आंकड़ों के भंडारण की व्यवस्था पर भी केंद्र से जवाब तलब किया गया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि करीब 500 प्रश्नों के प्रश्न बैंक से चार प्रश्नपत्र तैयार किए जाते हैं। इनमें से दो प्रश्नपत्र महानिदेशक, एनटीए द्वारा चुने जाते हैं। प्रश्नपत्रों की छपाई सीसीटीवी और सीआईएसएफ की निगरानी में होती है। इन्हें ले जाने वाले वाहनों की जीपीएस से निगरानी की जाती है। दो प्रश्नपत्रों के सेट को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा

तीन सप्ताह में हलफनामा दाखिल करने का केंद्र को निर्देश

एनटीए के ढांचे, साइबर सुरक्षा और गोपनीयता पर मांगी जानकारी

जाता है और परीक्षा के दिन तय किया जाता है कि कौन सा प्रश्नपत्र इस्तेमाल होगा। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाती है। अदालत ने कहा कि परीक्षा कराने वाली संस्था में स्थायी विशेषज्ञता और अनुभव होना चाहिए, ताकि एक परीक्षा से मिली सीख का उपयोग अगली परीक्षा को अधिक सुरक्षित बनाने में किया जा सके। पीठ ने राधाकृष्णन समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि परीक्षा व्यवस्था में सामने आ रही खामियां केवल एक घटना नहीं, बल्कि प्रणालीगत समस्या हैं। इसलिए इन्हें संस्थागत तरीके से दूर करने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नीट परीक्षा को सुरक्षित बनाने के लिए उठाए गए कदमों पर तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

नीट–यूजी 2024 में प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद शिक्षा मंत्रालय ने पूर्व इसरो अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति ने परीक्षा प्रक्रिया, एनटीए की कार्यप्रणाली और आंकड़ा सुरक्षा में सुधार की सिफारिशें की थीं।

दो महीने में जांच पूरी नहीं हुई तो फिर होगा आंदोलन

सरकार को निष्पक्ष जांच के लिए छात्रों ने दिया समय

जांच विफल रही तो रांची में फिर जुटेंगे छात्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ चल रहा छात्रों का आंदोलन फिलहाल समाप्त हो गया है। जेपीएससी–जेएसएससी सुधार मंच ने मंगलवार को आंदोलन खत्म करने की घोषणा की। मंच ने राज्य सरकार को पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच पूरी करने के लिए दो महीने का समय दिया है।

छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया कि तय अवधि में जांच पूरी नहीं हुई तो आंदोलन दोबारा शुरू किया जाएगा। उस समय बड़ी संख्या में छात्र राजधानी रांची पहुंचेंगे और केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा।

मंच की केंद्रीय समिति की बैठक

में आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया गया। छात्रों का कहना है कि सरकार ने उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आंदोलन के दबाव के बाद 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द की गई हैं, जबकि कुछ अन्य परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच जारी है।

छात्रों ने कहा कि सरकार को जांच पूरी करने का अवसर दिया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने साफ किया कि जांच की प्रगति पर नजर रखी जाएगी। तय समय में उचित कार्रवाई नहीं होने पर छात्र फिर सड़कों पर उतरेंगे।

इससे पहले सोमवार को देवेंद्रनाथ गुट ने भी आंदोलन समाप्त कर दिया था। जिला प्रशासन ने धरना स्थल पर मौजूद छात्रों से घर लौटने की अपील की है।

रेल सड़क परियोजनाओं पर होंगे 13 हजार करोड़ रुपये खर्च

चार रेल परियोजनाओं से बढ़ेगी माल यातायात क्षमता

बिहार में चार लेन राजमार्ग निर्माण को मंजूरी मिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में रेल और सड़क ढांचे को मजबूत करने के लिए 13,041 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्री और माल परिवहन को बेहतर बनाना, यात्रा का समय घटाना तथा प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इन फैसलों की जानकारी दी।

रेल क्षेत्र में पूर्वी और दक्षिणी भारत की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। खड़गपुर–भद्रक के बीच चौथी रेल लाइन के निर्माण पर 3,352 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भद्रक–हरिदासपुर चौथी लाइन के लिए 1,583 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गुम्मडिपूंडी–गुडूर के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण पर 2,229

करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं कटक–पारादीप के बीच तीसरी और चौथी लाइन के लिए 2,286 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। सड़क क्षेत्र में बिहार के मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक चार लेन राजमार्ग बनाने की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर 3,591 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे बिहार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही व्यापार, पर्यटन और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के अनुसार, रेल लाइनों के विस्तार से माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। इन परियोजनाओं से रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार का दावा है कि बेहतर परिवहन ढांचा देश की आर्थिक प्रगति को मजबूत आधार देगा।

छात्रों के समर्थन में राजद ने पटना में किया प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान हुई गोलीबारी के मामले को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने बुधवार को पटना में प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से राजभवन तक करीब पांच किलोमीटर लंबा मार्च निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक शामिल हुए।

मार्च के दौरान डाकबंगला चौराहे पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। आयकर चौराहे के पास पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए पानी की बौछार की। इसके बाद तेजस्वी यादव और राजद सांसद मीसा भारती को हिरासत में लेकर सचिवालय थाना ले जाया गया। कुछ देर बाद दोनों को छोड़ दिया गया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने

तेजस्वी यादव को हिरासत में लेकर बाद में छोड़ा गया

पुलिस ने पानी की बौछार से भीड़ को पीछे हटाया

दिया, इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर भी सरकार को घेरने की बात कही।

प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पानी की बोतलें फेंकीं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। कुछ कार्यकर्ता लकड़ी से बनी बंदूक लेकर पहुंचे। राजद ने कहा कि राज्यपाल के लौटने पर प्रतिनिधिमंडल उनसे मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा।

एफबीआई ने मेजर सिंह को किया वांछित घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी ने पंजाब के गैंगस्टर मेजर सिंह को वांछित घोषित किया है। एजेंसी के अनुसार, मेजर सिंह का संबंध जग्गू भगवानपुरिया के संगठित आपराधिक गिरोह से है, जिसकी गतिविधियां अमेरिका समेत कई देशों तक फैली हैं।

एफबीआई के मुताबिक मेजर सिंह पर संगठित अपराध से जुड़े कानून के तहत साजिश में शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा बिना लाइसेंस हथियारों की खरीद–फरोख्त और मादक पदार्थों की आपूर्ति तथा बिक्री की साजिश के आरोप भी लगाए गए हैं। अमेरिकी जांच एजेंसी के अनुसार, मेजर सिंह के खिलाफ कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में मामला दर्ज है। 25 जून 2026 को उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। एफबीआई उसकी तलाश कर रही है और लोगों से उसके बारे में सूचना देने की अपील की है। एफबीआई के अनुसार, जग्गू भगवानपुरिया का गिरोह अमेरिका के लॉस एंजिलिस सहित अन्य क्षेत्रों में सक्रिय है। इस नेटवर्क पर अवैध हथियारों के कारोबार, मादक पदार्थों की

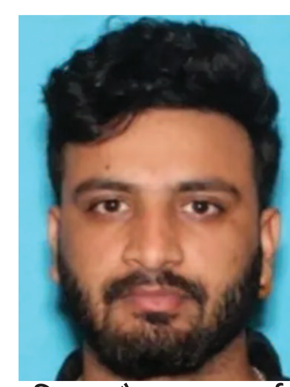

हथियार और मादक पदार्थ तस्करी की साजिश में आरोपी

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से जुड़ा बताया गया

कैलिफोर्निया की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया

तस्करी और संगठित अपराध में शामिल होने के आरोप हैं। मेजर सिंह की जन्मतिथि 20 जुलाई 1997 बताई गई है।

बुजुर्ग माता–पिता बच्चों को संपत्ति से कर सकते हैं बेदखल

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता–पिता के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे अपने बच्चों और बहू को संपत्ति से बेदखल करा सकते हैं। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि बढ़ती उम्र किसी व्यक्ति के लिए असुरक्षा और अपमान का कारण नहीं बननी चाहिए। बुजुर्गों को सम्मान, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन देना सभ्य समाज की पहचान है।

अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से निकालने के अधिकरण के आदेश को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माता–पिता के भरण–पोषण और सुरक्षा

के लिए आवश्यक होने पर अधिकरण बेदखली का आदेश जारी कर सकता है। मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता से जुड़ा था। उन्होंने 5 जून 2022 को अपने बेटे को

भरण पोषण और सुरक्षा के लिए बेदखली का अधिकार

अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया

मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन दिया था। यह मकान उनकी स्वयं खरीदी हुई संपत्ति थी। परिवार की 81 वर्षीय बुजुर्ग महिला को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने की स्थिति बनने के बाद मामला सामने आया।

उपजिलाधिकारी ने 15 नवंबर 2022 को बेटे की बेदखली का आदेश दिया। बाद में जिला मजिस्ट्रेट ने भी 9 अगस्त 2023 को आदेश बरकरार रखते हुए बेटे और बहू को मकान खाली करने का निर्देश दिया।

बेटे और बहू ने इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने 2007 के कानून की व्याख्या करते हुए बेदखली के आदेश रद्द कर दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस फैसले को पलटते हुए कहा कि अधिकरण को बुजुर्गों की सुरक्षा और भरण–पोषण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है।

पीठ ने पुराने न्यायिक फैसलों का हवाला देते हुए भी स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर संपत्ति से बच्चों को हटाना बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा का वैध उपाय हो सकता है।

बचपन से राजनीति तक सोनिया गांधी की जीवनयात्रा का जिक्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी आगामी आत्मकथा में जीवन के निजी अनुभवों और राजनीति में आने की वजहों का खुलासा किया है। 544 पन्नों की इस आत्मकथा का प्रकाशन 10 नवंबर को होगा। प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ की ओर से जारी बयान में सोनिया गांधी ने कहा कि अपने जीवन के बारे में लिखना उनके लिए आसान नहीं था। वर्षों से दिल में संजोए अनुभवों और भावनाओं को सामने लाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा।

सोनिया गांधी ने कहा कि अपनों को खोने के गहरे दर्द ने उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। आत्मकथा

राजीव गांधी से मुलाकात और परिवार के दुखों का वर्णन

में इटली में बिताए बचपन से लेकर भारत में उनके जीवन तक की यात्रा का वर्णन है। आत्मकथा की शुरुआत 1965 में कैंब्रिज से होती है, जहां उनकी मुलाकात राजीव गांधी से हुई थी। इसमें विवाह, इंदिरा गांधी से संबंध, परिवार पर आए दुखों और सक्रिय राजनीति में प्रवेश का भी उल्लेख है। वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले को भी पुस्तक में शामिल किया गया है।

कारीगर ने हड़पी चोरी के नाम पर 19 किलो चांदी

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित एक चांदी व्यवसाई का कारीगर 19 किलो चांदी के जेवरात झलाई के लिए ले गया। कारीगर अब घर में चांदी चोरी की घटना बता रहा है। चांदी व्यवसाई ने पुलिस से इस बारे में शिकायत की है।

चांदी व्यवसाई भावेश अग्रवाल ने बताया कि अशोक बिहार कॉलोनी में रहने वाला कारीगर बैकुंठ सारस्वत 19 किलो चांदी के जेवरात झलाई के लिए 10 अगस्त को ले गया था।

व्यवसाई ने जब चांदी की झलाई का माल वापस मांगा तो वह एक- दो दिन का वायाद करता रहा। व्यवसाई का

चांदी व्यवसाई ने झलाई के लिए दी थी चांदी पीड़ित ने की पुलिस से शिकायत

कहना है कि उससे सोमवार को माल लौटाने को कहा गया तो उसने कल देने को कह दिया।

आज प्रातः कारीगर का साढ़े छह बजे फोन आया कि उसके घर पर डकैती हो गई है, सारी चांदी का माल बदमाश ले गए। व्यवसाई कारीगर के घर पहुंचा। वहां देखा तो नहीं लगा कि उसके घर पर किसी तरह की कोई वारदात हुई है।

उसने आस–पास के लोगों से भी कारीगर के घर हुई वारदात के बारे में जानकारी की तो किसी ने घटना की पुष्टि नहीं की। चांदी व्यवसाई ने पुलिस को भी इस बारे में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सपा की बैठक, सुमन ने बनाई अक्टूबर मे रैली की रणनीति

बैठक में बोलते सांसद रामजीलाल सुमन।

यूनिक समय, बरारी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव- राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन बुधवार को बरारी स्थित सपा कैंप कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अक्टूबर माह में आगरा में प्रस्तावित राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की दलित रैली-सम्मेलन की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और दलितों पर बढ़ते अत्याचार–शोषण से आहत होकर दलित समाज का बड़ा तबका अब सपा की नीतियों पर भरोसा जता रहा है। अक्टूबर में आगरा में होने वाले सम्मेलन में दलितों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना पार्टी की प्राथमिकता है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने की।

इस दौरान जिला महासचिव सुभाष पाल, वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी, उपाध्यक्ष दिगंबर सिंह जाटव, ओमप्रकाश, शिवदीप अग्रवाल, गगन रावत, डॉ राजन रिजवी, रितु गोयल, महेश चंद शर्मा 'गोल्डी', राजेंद्र सिकरवार, सोनू ठाकुर, संतोष यादव, नाजिम अब्बासी, संदीप पहेलियां, श्याम मोहन वर्मा, संगम यादव, गीता वर्मा सभासद, सुभाष सैनी, सोनू यादव, देवकीनंदन कश्यप, मनीष आजाद, मनोज जाटव, हुकम सिंह प्रधान, मोहर सिंह, लखन पहलवान, श्याम सिंह, करुआ ठाकुर सहित तमाम पदाधिकारी- कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गेट पास नहीं मिलने से संविदा श्रमिक परेशान, काम पर वापस लेने की मांग

मजदूरों के साथ डीएम को ज्ञापन देने जाते यूनियन के अध्यक्ष मधुवन दत्त चतुर्वेदी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी में काम करने वाले संविदा श्रमिकों ने गेट पास जारी कर उन्हें दोबारा काम पर लेने की मांग की है। श्रमिकों का कहना है कि वे कई वर्षों से एमजी कंट्रक्शन वर्क आर्डर पर रिफाइनरी के ओल्ड यूनिट एरिया में सिविल मेंटेनेंस का काम करते आ रहे हैं। श्रमिकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदार फर्म एमजी कंस्ट्रक्शन के लोग आए दिन धमकी दे रहे है।

श्रमिकों के अनुसार, गेट पास के नवीनीकरण के लिए उनके पास जमा कराए गए थे, लेकिन अभी तक वापस नहीं किए गए हैं। गेट पास नहीं मिलने से उन्हें काम करने में परेशानी हो रही है। श्रमिकों ने रिफाइनरी अधिकारियों से मामले में जल्द कार्रवाई की मांग की है। सुनील कुमार,बंशीलाल, ऊ दल, सोनू, सुखराम, लाल सिंह, गोपीचंद, चंद्रपाल और बलवीर ने अपनी समस्या बताई है। उनका कहना है कि वे लंबे समय से रिफाइनरी में काम कर रहे हैं और अपने काम की जिम्मेदारी निभाते आए हैं। यूनियन ने भी श्रमिकों की मांग का समर्थन किया है। यूनियन ने मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक से श्रमिकों के गेट पास जारी कराने और उन्हें जल्द काम पर वापस लेने के लिए मांग की है। यूनियन के अध्यक्ष मधुवन दत्त चतुर्वेदी ने डीएम से संगठन के कर्मचारियों के समाधान करने की मांग की है।

बरसाना में दो अनाधिकृत निर्माण सील

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरसाना में दो निर्माण स्थलों को सील कर दिया। दोनों स्थानों पर बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण कार्य कराया जा रहा था। प्राधिकरण की ओर से पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया।

प्राधिकरण के अनुसार, राधा बाग रोपवे रोड, बरसाना में अमित द्वारा करीब 700 वर्ग मीटर क्षेत्र में भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल और तृतीय तल का निर्माण कराया जा रहा था।

मौके पर चिनाई का कार्य चल रहा था। जांच के दौरान निर्माण की कोई स्वीकृति या स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इस मामले में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास

नोटिस के बावजूद जारी था कार्य, एमवीडीए ने की कार्रवाई

अधिनियम के तहत ऑनलाइन वाद दर्ज कर नोटिस जारी किए गए थे। वहीं, मोहिनी निकुंज के पास नहर की पटरी पर कामा रोड, बरसाना में संजू द्वारा करीब 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में बेसमेंट, भूतल और प्रथम तल का निर्माण कराया जा रहा था। यहां प्लास्टर का कार्य चल रहा था। निर्माण के संबंध में कोई स्वीकृत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। प्राधिकरण के अनुसार, नोटिस के बावजूद दोनों स्थानों पर निर्माण चल रहा था। बुधवार को दोनों निर्माण स्थलों को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

हरे मखमली हिंडोले में विराजे राजाधिराज

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह में ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में बुधवार को राजाधिराज हरे मखमली हिंडोले में विराजमान हुए। राजाधिराज की एक झलक पाकर भक्त निहाल हो गए। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार के अनुसार किया जाता है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को संध्या उद्यापन के दर्शन शाम पांच बजे से खुलेंगे। शाम सात बजे से रात आठ बजे तक होंगे।

हरे मखमली हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

जलभराव से नाराज महिला पानी की टंकी चढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। नरहौली गांव में बुधवार को जलभराव और गंदगी की समस्या से नाराज भारतीय किसान यूनियन की पदाधिकारी मीना ठाकुर पानी की टंकी पर चढ़ गईं। उन्होंने समस्या के स्थायी समाधान का लिखित आश्वासन मिलने तक नीचे उतरने से इनकार कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को समझाने का प्रयास किया।

मीना ठाकुर ने आरोप लगाया कि मोहन नगर, नरहौली और भरतपुर मार्ग क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बारिश के बाद स्थिति और खराब हो जाती है। सड़कों

पुलिस ने समझाकर सुरक्षित नीचे उतारा

पर पानी जमा रहने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है।

उन्होंने बताया कि नगर निगम अधिकारियों से कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। इसी से नाराज होकर उन्होंने विरोध का यह तरीका अपनाया। पुलिस के समझाने के बाद उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और समस्या के तत्काल समाधान की मांग की।

न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय,सुरीर। कोतवाली क्षेत्र एक नगला नहारिया में एक युवक द्वारा एक युवती के साथ अपना फोटो लगा कर बदनाम करने और बंदूक के साथ फोटो बनाकर धमकी देने के मामले में न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। नगला नाहरिया निवासी रमेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि 15 जून की रात मारपीट करने वाले युवक गिर्राज अब सोशल मीडिया, इंस्ट्राग्राम, फेसबुक पर मेरी भतीजी का फोटो अपने फोटो के साथ लगाकर बदनाम कर रहा है। साथ ही सोशल मीडिया एकाउंट्स पर तमंचा और रायफल लेकर वीडियो बनाते हुए जानसे मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

151 मीटर तिरंगे संग निकली भव्य यात्रा, गूंजे देशभक्ति के नारे

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मथुरा इकाई ने बुधवार को 151 मीटर लंबे तिरंगे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। माधवकुंज स्थित श्रीकृष्णचंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से शुरू हुई यात्रा में सैकड़ों विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग भारत माता की जय और वंदेमातरम के नारों से गूंजता रहा।

तिरंगा यात्रा को विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता-समाजसेवी नरेंद्र सिंह कुशवाह और विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा महाराजा अग्रसेन चौराहा और डीग गेट होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते समाजसेवी नरेंद्र सिंह कुशवाह और विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह।

हुई। विद्यार्थियों के हाथों में लहराता विशाल तिरंगा राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दे रहा था।

अभाविप ब्रज प्रांत के प्रांत मंत्री आनंद कठेरिया ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और समर्पण का संदेश देती है। महानगर सह मंत्री अमन पांडे ने कहा कि यात्रा में युवाओं की बड़ी भागीदारी राष्ट्रहित और देशभक्ति के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

जिला छात्रा प्रमुख विनीता शर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल हाथों में नहीं, बल्कि हर भारतीय के दिल में बसता है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियां शिक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य राजीव पाठक, उमेश शर्मा, विनय कुमार, सीताराम बघेल, नरेंद्र कुमार, जगवीर, लोकेश अग्रवाल सहित संगठन के दिव्यांशु पचौरी, विभाग छात्रा प्रमुख साधना प्रजापति, भूपेंद्र सिंह, श्रवेंद्र सिंह ठाकुर, जिला छात्रा प्रमुख विनीता समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रजिस्ट्री कार्यालय में मीटर केबल में लगी आग

यूनिक समय, मथुरा। रजिस्ट्री कार्यालय में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे विद्युत मीटर और केबल में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग की लपटें उठती देखकर कार्यालय में मौजूद लोगों ने तत्काल बुझाने का प्रयास किया और समय रहते आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में विद्युत लाइन में फाल्ट को आग का कारण माना जा रहा है। बैनामा लेखक अधिवक्ता केके चौधरी ने विद्युत व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि कार्यालय में स्वीकृत क्षमता से अधिक विद्युत उपकरण चल रहे हैं। उन्होंने विद्युत भार की जांच कर क्षमता के अनुरूप केबल और अन्य उपकरण लगाने की मांग की। उनका कहना है कि समय रहते व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

सिविल डिफेंस के पोस्ट वार्डन अशोक यादव सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाजसेवा, जनसुरक्षा और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मथुरा सिविल डिफेंस के पोस्ट वार्डन अशोक यादव को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में क्विक रिस्पांस डिजास्टर एंड फायर सेफ्टी फाउंडेशन की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। संस्था के निदेशक राकेश भारद्वाज ने उनके सेवा कार्यों की सराहना की। प्रशस्ति पत्र में कहा गया कि सार्वजनिक आयोजनों, मेलों और भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों में अशोक यादव ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सड़क दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने, उनके जीवन की रक्षा के लिए भी उन्होंने सराहनीय कार्य किया।